संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
रविवार
5 अक्टूबर 2025
वर्ष:-24, अंक:-=102
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती

सीजेआई गवई बोले-बुलडोजर ऐक्शन का मतलब देश का कानून तोड़ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था रूल ऑफ लॉ यानी (कानून के शासन) से चलती है, इसमें बुलडोजर ऐक्शन की जगह नहीं है।

सीजेआई मॉरीशस में आयोजित सर मॉरिस रॉल्ट मेमोरियल लेक्चर 2025 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल के फैसले में अदालत ने स्पष्ट किया था कि किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर चलाना कानून की प्रक्रिया को तोड़ना है। सीजेआई ने कहा- सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती। बुलडोजर शासन संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण के अधिकार) का उल्लंघन है। लेक्चर के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और मुख्य न्यायाधीश रेहाना मंगली गुलबुल भी मौजूद थे। सीजेआई ने तीन तलाक खत्म करने, व्यभिचार कानून को निरस्त करने, चुनावी बॉन्ड स्कीम और निजता को मौलिक अधिकार मानने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया। गवई ने कहा कि इन सभी फैसलों ने दिखाया कि अदालत ने रूल ऑफ लॉ को एक ठोस सिद्धांत बनाया है, जिससे मनमाने और अन्यायपूर्ण कानून खत्म किए गए।

भारत में रूल ऑफ लॉ नैतिक और सामाजिक ढांचा

सीजेआई गवई ने कहा कि भारत में रूल ऑफ लॉ केवल नियमों का सेट नहीं है, बल्कि यह नैतिक और सामाजिक ढांचा है, जो समानता, गरिमा और सुशासन सुनिश्चित करता है। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का हवाला देते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण बताता है कि लोकतंत्र में कानून का राज ही समाज को न्याय और जवाबदेही की ओर ले जाता है। इससे पहले सीजेआई गवई ने 24 सितंबर को कहा था कि बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आदेश देने पर उन्हें बेहद संतुष्टि मिली थी। इस फैसले में मानवीय पहलू भी जुड़ा था। किसी परिवार को सिर्फ इसलिए परेशान नहीं किया सकता कि उस परिवार का एक सदस्य अपराधी है। गवई ने कहा, बेंच में मेरे साथ जस्टिस केवी विश्वनाथन भी शामिल थे। हालांकि, ज्यादातर श्रेय मुझे दिया गया है, लेकिन मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इस फैसले को लिखने का क्रेडिट जस्टिस विश्वनाथन को भी जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2024 में बुलडोजर ऐक्शन पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि अफसर जज नहीं बन सकते। वे तय न करें कि दोषी कौन है। बेंच ने ये भी कहा था कि 15 दिन के नोटिस के बगैर निर्माण गिराया तो अफसर को दोबारा बनाना पड़ेगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत के दो जज किए बर्खास्त

एक रिश्वत लेने का दोषी

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को निचली अदालत के दो जजों को कदाचार और न्यायिक अधिकारियों के अनुरूप आचरण न करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया है। सतारा के एडीशनल सेशन जज धनंजय निकम और पालघर के सिविल जज सीनियर डिवीजन इरफान शेख की बर्खास्तगी का फैसला अनुशासन समिति की

जांच के बाद लिया गया। धनंजय निकम पर रिश्वतखोरी का आरोप है, जबकि इरफान शेख पाक्सो एक्ट के तहत मामलों की सुनवाई के दौरान भ्रष्टाचार करने और जांच के दौरान जब्त ड्रग्स के इस्तेमाल के लिए दोषी पाए गए। शेख के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर एक याचिका अभी भी लंबित है।

छोटे शहरों-ग्रामीण इलाकों में बैंक बढ़ा रहे एटीएम

डिजिटल पेमेंट और बढ़ती लागत के चलते रणनीति बदली

मुंबई (एजेंसी)। डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल और महानगरों व बड़े शहरों में एटीएम चलाने की बढ़ती लागत के चलते बैंक रणनीति बदल रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में एटीएम का उपयोग घट रहा है और मेंटेनेंस महंगा हो गया है। ऐसे में बैंक छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में एटीएम पर

जोर दे रहे हैं। बैंक अधिकारियों का कहना है कि शहरी एटीएम से आय लागत के मुकाबले कम है। 6-8 वर्ग फीट के एटीएम स्पेस का किराया 40,000 रुपए तक पहुंच जाता है। मुंबई जैसे शहर में मासिक देखरेख का खर्च 1 लाख रुपए तक आता है। इसके अलावा, मुफ्त निकासी की सीमा, इंटरचेंज फीस पर पाबंदी ने भी मार्जिन घटा दिया है। फिलहाल, 1 लाख लोगों पर 15 एटीएम हैं। इनमें 80 फीसदी शहरी क्षेत्रों में हैं, जबकि 67 फीसदी आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है।

तमिलनाडु,एमपी के बाद केरल में भी ...

'मौत' का सिरप बैन

- कोल्ड्रिफ कफ पर लगा दी रोक, एमपी में 10 बच्चों की गई जान
- राजस्थान में 2 बच्चों की मौत के बाद ऐक्शन, ड्रग कंट्रोलर सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। कफ सिरप से मध्यप्रदेश में 10 और राजस्थान में 2 बच्चों की मौत के बाद दोनों राज्यों में दवाएं बैन कर दी गई हैं। तमिलनाडु के बाद शनिवार को मध्य प्रदेश और केरल ने भी कोल्ड्रिफ सिरप बेचने पर रोक लगा दी गई। उधर, राजस्थान में डेक सट्रोमेथोरपन हाइड्रोब्रोमाइड कफ सिरप और उसे बनाने वाली कंपनी केसंस फार्मा को भी प्रतिबंधित कर दिया गया। इस कंपनी का प्लांट जयपुर में है। कोल्ड्रिफ दवा की मैन्युफैक्चरिंग तमिलनाडु के कांचीपुरम में हो रही थी। बच्चों की मौत के बाद तमिलनाडु सरकार ने गुरुवार को उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। राज्य में इस दवा के थोक और रिटेल स्टॉक को सीज कर दिया गया है। एमपी के छिंदवाड़ा में कप सिरप पीने से 10 बच्चों की मौत हुई है। पहला संदिग्ध मामला 24 अगस्त को सामने आया था। पहली मौत 7 सितंबर को हुई थी। इसके बाद 15 दिन में 6 बच्चों की मौत हो गई।

तमिलनाडु में एमपी के पत्र के बाद 48 घंटों में ऐक्शन

एमपी के ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्या ने बताया था कि स्वास्थ्य विभाग ने दोनों कफ सिरप का प्रोडक्शन रुकवाने के लिए तमिलनाडु और हिमाचल को पत्र लिखा है। तमिलनाडु सरकार ने मप्र की ओर से पत्र मिलते ही

24 घंटे के भीतर कोल्ड्रिफ सिरप का सैंपल लेकर जांच कराई। इसमें डाईएथिलीन ग्लाइकॉल 48.6 फीसदी मिला, जो एक विषैला पदार्थ है। यह सेहत के लिए हानिकारक है। इसके तुरंत बाद पूरे तमिलनाडु में इसके उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि संगठन ने मध्य प्रदेश में कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबरों के बाद छह राज्यों में दवाएं बनाने वाली कंपनियों की जांच होगी।

भारत- ब्राजील अब आ रहे और ज्यादा करीब

रणनीतिक साझेदारी पर फोकस, डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा संदेश!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के बाद से ब्रिक्स देशों के बीच करीबी देखने को मिल रही है। इस क्रम में भारत और ब्राजील के बीच भी करीबी देखने को मिल रही है। इस क्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अपने ब्राजीलियाई समकक्ष सेल्सो लुइस नून्स अमोरिम से मुलाकात की।

जिस तरह से भारत और ब्राजील के रिश्तों में गर्मजोशी देखने को मिल रही है, इससे ट्रंप के लिए बड़ा संदेश है। भारत और ब्राजील ने शुक्रवार को रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा, दुर्लभ मृदा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। अमोरिम के साथ ब्राजील के वरिष्ठ अधिकारियों और सलाहकारों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। एनएसए और अमोरिम ने स्वास्थ्य एवं फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में सहयोग के साथ-साथ नवंबर में ब्राजील द्वारा आयोजित ब्रिक्स, आईबीएसए और कॉप 30 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भी चर्चा की।

'जननायक' पद की चोरी हो रही, बिहार वाले सावधान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम सेतु योजना की लॉचिंग और आईटीआई दीक्षांत समारोह के मौके पर आयोजित युवा संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन से राहुल गांधी और बिहार की लालू-राबड़ी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के जननायक पद की चोरी की कवायद की जा रही है। बिहार के लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा से समय कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को तो पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव को जननायक बताया था। कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर राहुल गांधी को जननायक बताकर पोस्ट किया गया था। युवा संवाद को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को नई स्किल यूनिवर्सिटी मिली है। नीतिश जी की सरकार ने इस यूनिवर्सिटी का नाम भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के नाम पर रखा है। मैं बिहार के लोगों को कहूंगा चौकन्ने रहिए। यह जननायक पद कर्पूरी ठाकुर से ही शोभायमान है। बिहार की जनता ने उनकी कृति को देखते हुए यह सम्मान दिया। आजकल

पीएम मोदी ने राहुल गांधी और राजद पर साधा निशाना

कुछ लोग जननायक की भी चोरी करने में लग गए हैं। इसलिए बिहार के लोगों से जागृत रहने का आग्रह करता हूं। हमारे कर्पूरी साहब को दिया गया सम्मान कोई चोरी न कर ले।

अमित शाह ने जवानों के लिए मां दंतेश्वरी से की प्रार्थना

कहा-31 मार्च तक देश को नक्सलवाद से कर देंगे मुक्त

जगदलपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर दौरे पर पहुंचे। उन्होंने यहां सबसे पहले जगदलपुर शहर में स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की। अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव और राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे। मां दंतेश्वरी की पूजा करने के बाद अमित शाह ने साफ शब्दों में संदेश दिया कि मां दंतेश्वरी की जमीन को नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे। अमित शाह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार रात रायपुर पहुंचे थे। अमित शाह ने मां दंतेश्वरी की पूजा अर्चना करने के बाद विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव के तहत आयोजित होने वाले पारंपरिक आयोजन मुरिया दरबार में शामिल हुए। मुरिया दरबार में अमित शाह ने पुजारियों और आदिवासी समुदाय के नेताओं से बातचीत की। लगभग 75 दिनों तक आयोजित विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में अश्विन शुक्ल 12 को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाता है, जिसमें जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्र के पुजारी, मांझी-चालकी और गणमान्य नागरिक शामिल होते हैं।

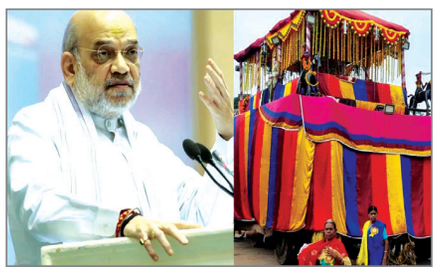

भारत और रूस की जोड़ी फिर करेगी बड़ा धमाका

साथ मिलकर बना रहे ब्रह्मोस मिसाइल का नया वैरिएंट

बीजिंग/इस्लामाबाद (एजेंसी)। मिसाइलों की दुनिया में भारत और रूस मिलकर नया धमाका करने की तैयारी में हैं। दोनों देश मिलकर अब माच 4.5 स्पीड वाली ब्रह्मोस मिसाइल डेवलप कर रहे हैं, जो न सिर्फ मौजूदा ब्रह्मोस मिसाइल से काफी ज्यादा तेज है, बल्कि चीन की डीएफ-26 हाइपरसोनिक मिसाइल को सीधी चुनौती देगी। यह नया वैरिएंट ब्रहमोस एयरोस्पेस के तहत तैयार किया जा रहा है, जो भारत की डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रिजियन का

ज्वाइंट वेंचर है। भारत के पास जो मौजूदा ब्रह्मोस है, उसकी स्पीड माच 3 है, जबकि जिस नये ब्रह्मोस को डेवलप किया जा रहा है, उसकी स्पीड माच 4.5 यानी लगभग 5,500 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड है। यह अपग्रेड भारत की स्ट्राइक कैपेबिलिटी को नेक्स्ट लेवल पर ले जाएगा। भारत इसे भविष्य के खतरों को देखते हुए तैयार कर रहा है, क्योंकि चीन एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम तैयार कर रहा है। हो सकता है आगे जाकर चीन ऐसा एयर डिफेंस तैयार कर ले।

एस-400 की और नई खेप खरीदने की तैयारी में भारत

एस-500 खरीदने पर भी विचार करेगा; दिसंबर में पुतिन के भारत दौरे के समय डील संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रूस से कुछ और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। ऐसे पांच सिस्टम की डील पहले ही हुई थी, जिनमें से 3 भारत को मिल चुके हैं। नई डील इनके अलावा होगी। न्यूज एजेंसी के सोर्स के मुताबिक, दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के समय डील पर बातचीत हो सकती है। यह वही डिफेंस सिस्टम है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था। भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। उस समय अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि इस सौदे को आगे बढ़ाने पर वह कानून के तहत भारत पर पाबंदी लगा सकता है। भारत एस-500 मिसाइल सिस्टम खरीदने पर भी विचार कर रहा है।

महाराष्ट्र में 7 साल की बच्ची का रेप-मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

- दो साल पहले भी बच्ची का रेप-मर्डर किया था

भिवंडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में 33 साल के एक पावरलूम मजदूर ने पड़ोस में रहने वाली सात साल की एक बच्ची के साथ रेप किया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। फिर बच्ची के शव को एक बोरे में बंद करके भाग गया। घटना 1 अक्टूबर की है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। आरोपी ने इसी पैटर्न पर साल 2023 में रेप-मर्डर की एक और घटना को अंजाम दिया था। तब उसने भिवंडी में ही छह साल की बच्ची के साथ हैवानियत की और फिर उसकी जान ले ली थी। उस मामले में वह जेल में था।

ट्रम्प की धमकी के बाद झुक गया हमास

- सीजफायर पर हो गया राजी, गाजा पर कब्जा छोड़ेगा
- बंधक रिहा होंगे, इजराइल तुरंत हमला रोकने को तैयार

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी के 6 घंटे बाद हमास गाजा में सीजफायर को तैयार हो गया है। हमास ने शुक्रवार रात ऐलान किया कि वह ट्रम्प के प्लान में बताए गए फॉर्मूले के मुताबिक सभी जिंदा और मुर्दा बंदियों को रिहा करने को तैयार है। साथ ही गाजा का प्रशासन छोड़ने को भी तैयार है। हमास ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प की इस हफ्ते पेश की गई 20 पॉइंट की पीस डील के कुछ हिस्सों पर बातचीत जरूरी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमास की तरफ से जो जवाब आया है, उसमें हथियार छोड़ने का जिक्र नहीं किया

गया है। हमास के ऐलान के बाद ट्रम्प ने इजराइल को तुरंत गाजा में हमले करना बंद करने को कहा है। वहीं, इजराइल ने कहा कि वह ट्रम्प के गाजा प्लान पर काम करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के ऑफिस ने बयान जारी कर रहा कि इजराइल ट्रम्प के प्लान के पहले चरण को लागू करने के लिए तैयार है। इसके लिए वे ट्रम्प और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि जंग खत्म हो। इसके साथ ही इजराइल गाजा में हमला रोकने को तैयार हो गया है। सरकार ने सेना को गाजा पर कब्जे की कार्रवाई को रोकने का आदेश दिया है। इसमें कहा गया है कि सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही कार्रवाई की जाए।

धर्मशाला में 24 घंटें मिलेगी ई-इलेक्ट्रिक बस सेवा की सुविधा- जग्गी

● राज्य सरकार विकास को गति देने के लिए कर रही हरसंभव प्रयास

धर्मशाला। पूर्व महापौर देवेंद्र जग्गी ने कहा कि धर्मशाला नगर निगम तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में चैबीस घंटे ई- इलेक्ट्रिक बस सेवा आरंभ की जाएगी ताकि क्षेत्र के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिले। बाघनी पंचायत में आयोजित समारोह में पूर्व महापौर ने कहा कि ई-इलेक्टिक बसें आरंभ होने से धर्मशाला में लोगों को पार्किंग जैसी दिक्त से भी नहीं जूझना पड़ेगा तथा यह बसें पंद्रह-पंद्रह मिनट पश्चात आवाजाही करती रहेंगी इससे लोगों को रात को भी अपने घरों तक पहुंचने में असुविधा नहीं होगी। पूर्व महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु के मार्गदर्शन में धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में पर्यटन निगम का राज्य कार्यालय खोलने से पर्यटन को नई दिशा मिलेगी इसके साथ ही अंतराष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर भी धर्मशाला में निर्मित किया जा रहा है। पूर्व महापौर ने कहा कि जन हित के कार्यों में किसी भी स्तर पर राजनीति बर्दास्त नहीं की जाएगी तथा लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए हरसंभव कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु ने राज्य भर में जनहितैषी योजनाएं तथा कार्यक्रम आरंभ करके आम जनमानस को राहत पहुंचाई है। पूर्व महापौर देवेंद्र जग्गी ने कहा कि धर्मशाला विस के विभिन्न पंचायतों में आपदा से प्रभावित परिवारों से स्वयं मिलकर आए हैं तथा उनकी सरकार की ओर हरसंभव मदद सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बाघनी पंचायत के प्रतिनिधियों को पंचायत भवन और लाइब्रेरी खुलने पर बधाई देते हुए कहा कि इससे युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी।

07 अक्तूबर को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 07 अक्तूबर, 2025 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता सोलन राहुल वर्मा ने दी। राहुल वर्मा ने कहा कि 07 अक्तूबर, 2025 को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक कथेड़, न्यू कथेड़, कथेड़ बाई पास, नया बस अड्डा, खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय, पुराना पॉवर हाउस मार्ग, चामुंडा कॉलोनी, आई.टी.आई. के समीप एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि मौसम एवं किन्ही अपरिहार्य कारणों से उपरोक्त तिथि व समय में परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

6 अक्तूबर को बिजली बंद

धर्मशाला। विद्युत उपमंडल सिद्धपुर के सहायक अभियन्ता संतोष कुमार ने बताया कि 06 अक्तूबर को 11 केवी टंग फीडर और 11 केवी खनियारा फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों टंग, बलेहड़, तिरंगा, खैबर, टिकरी, सालिग, कस्बा, नरवाणा, देव चौंक, खिड़कू, कण्ड कडियाना, बगिआरा, जूहल, सिद्धपुर, खनियारा, थात्री, लोअर मोहली आदि क्षेत्रों में प्रातः 9:30 बजे से शाम कार्य समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति पूर्णतः बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने या अन्य आकस्मिक आपदा की स्थिति में यह कार्य स्थगित या आंशिक रूप से किया जा सकता है। उन्होंने सर्वसाधारण जनता से बिजली विभाग को सहयोग करने की अपील भी की है।

06 अक्तूबर को बिजली बंद

धर्मशाला। विद्युत उपमंडल नं?।। के सहायक अभियन्ता रमेश धीमान ने बताया कि 132/33/11 घुरकड़ी में सामान्य रखरखाव के चलते 11 केवी रजोल एक्स-प्रैस तथा 11 केवी बगली फीडर के क्षेत्रों नन्दहेड़, पुराना मटौर, घुंडी, बगली, अन्सोली, पटौला, घाना, गंग भैरों, गगली, चैतडू, बनवाला, मनेड़, मस्तपुर, कन्दरेहड़, चकवां ढगवार, सराह, लोअर सकोह, पुलिस लाईन सकोह तथा साथ लगते क्षेत्रों में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि 11 केवी मंडल फीडर के क्षेत्रों मंडल, मसरेहड़, भडवाल, त्रैंबलू, हरनेड, घीयाना खरड़, ढगवार, खटेड़, मनेड़, अप्पर बगली, कोहाला, मटौर तथा साथ लगते क्षेत्रों में दोपहर 02:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने की स्थिति में यह कार्य अगले दिन किया जाएगा।

लन्दन से बारबोडोस की राजधानी ब्रिजटाउन पहुँचे स्पीकर कुलदीप पठानियां

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां अपनी यात्रा का क्रम जारी रखते हुए आज-प्रात-लन्दन से बारबोडोस की राजधानी ब्रिजटाउन पहुँचे। उनके साथ विधान सभा उपाध्यक्ष विनय कुमार तथा विधान सभा सचिव यशपाल शर्मा भी मौजूद है। गौरतलब है कि कुलदीप सिंह पठानियां कल से ब्रिजटाउन स्थित बारबोडोस संसद में आयोजित होने वाले 8 दिवसीय 68वें राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन में भाग लेंगे। पठानियां भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सम्मेलन के लिए चयनित विषयों पर अपना सम्बोधन देंगे। पठानियां तीन विषयों पर बारबोडोस संसद में सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे।पठानियां ने कहा कि बारबोडोस पर्यटन की दृष्टि से कैरेबियन का स्वर्ग है। यह कैरेबियन सागर का एक छोटा लेकिन बेहतर आर्कषक द्वीप देश है। यह द्वीप अपने नीले समूह सफेद रेत वाले समूह तटों सुहावने मौसम, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक विविधता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। बारबोडोस पर्यटन न केवल प्राकृतिक सुन्दरता का आनंद लेने का अवसर प्रदान करता है बल्कि एक अनोखे सांस्कृतिक अनुभव में डूबने का अवसर भी देता है। यहां का शांत वातावरण, गर्मजोशी से स्वागत करने वाले स्थानीय लोग और विविध गतिविधियां इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाता है।

पठानियां ने कहा कि भारत तथा कैरेबियन द्वीप समूहों जिसमें बारबोडोस भी शामिल है का एक गहरा सांसकृतिक तथा खेल गतिविधियों से सम्बन्धित रिश्ता रहा है। भारत तथा वेस्टइंडीज का ?क्रिकेट खेल पूरी दुनिया में विख्यात है। वेस्टइंडीज की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का चयन 15 कैरेबियन देशों को जोड़कर किया जाता है। जिसमें बारबोडोस की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। आज भी हम दुनियां के सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खिलाड़ियों का बड़े अदभ के साथ स्मरण करते है जिसमें सर गारफील्ड सोबर्स,सर गॉर्डन ग्रीनिज,डेसमंड हेन्स, मैलकम मार्शल, सर कलाइड वालकोट,सर एवर्टन वीक्स तथा जेसन होल्डर जैसे खिलाड़ी बारबोडोस द्वीप से ही आते है। पठानियां ने कहा कि ब्रिजटाउन पहुँचते ही सबसे पहले उन्हें यहां के क्रिकेट खिलाड़ियों,यहां के स्वास्थ्य अनुकूल वातारवरण व लोगों द्वारा अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत करने के अन्दाज का स्मरण

अर्की विधानसभा क्षेत्र में स्थापित होगा मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट: मुख्यमंत्री

● सीधे किसान के हाथ में लाभ देना राज्य सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने कहा, गांव के लोगों के लिए जल्द आएगी एक और योजना

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज अर्की विधानसभा क्षेत्र में मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की घोषणा की ताकि क्षेत्र के पशुपालकों को इसका लाभ मिले। उन्होंने दाड़लाघाट में खंड विकास कार्यालय खोलने का आश्वासन भी दिया, जिसके लिए पहले अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ट्रक ऑपरेटरों के लिए एक योजना पर भी काम कर रही है जिसके तहत डीज़ल ट्रक को ई-ट्रक में बदलने पर राज्य सरकार 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करेगी। इस योजना से दाड़लाघाट और बरमाणा के ट्रक ऑपरेटरों को लाभ मिलेगा।

दाड़लाघाट में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दो साल में दूध खरीद मूल्य में 21 रुपए तक की वृद्धि की है ताकि पशुपालन से जुड़े लोगों को सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि तीन रुपए की दर से गोबर भी किसानों से ख़रीदा जा रहा है। इसके अलावा, प्राकृतिक रुप से उगाई जा रही मक्की, गेहूं, जौ और कच्ची हल्दी को न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सीधे किसान के हाथ में लाभ देना चाहती है। आज एक शुरूआत है लेकिन यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है। आने वाले समय में किसानों को और लाभ मिलेंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए आने वाले समय में एक और योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नई योजनाओं के लाभ जानकर लोग फिर पशुपालन से जुड़ेंगे।

श्री सुक्खू ने कहा कि मैं गांव से निकलकर मुख्यमंत्री के पद पर पहुंचा हूं, इसलिए उनके दर्द को समझता हूं, योजनाएं बनाता हूं और उन्हें धरातल पर उतारता हूं, इसके लिए नीतिगत बदलाव लाया जा रहा है। शिक्षा क्षेत्र में राज्य सरकार बदलाव ला रही है। हमने कमियों का पता लगाकर उन्हें दूर किया, जिसके कारण शिक्षा में वर्ष 2021 में 21वें स्थान पर पहुंच चुका हिमाचल प्रदेश आज 5वें स्थान पर पहुंच गया है। भाजपा ने अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में 600 शिक्षण संस्थान खोल दिए, क्योंकि वह राजनीतिक लाभ की दृष्टि से खोले गए थे लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें बंद कर दिया क्योंकि ये तर्कसंगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के प्रयासों से आज पहली कक्षा से इंग्लिश मीडियम पढ़ाई शुरू की जा चुकी है। अगले शैक्षणिक सत्र से प्रदेश में 100 सीबीएसई आधारित स्कूल खोले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सुधार लाया जा रहा है, जबकि पिछली सरकारों ने इस पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। मेडिकल कॉलेजों में 20-20 साल पुरानी मशीनें लगी हैं, लेकिन किसी ने नई तकनीक लाने के बारे में सोचा तक नहीं। अच्छी जांच मशीनें न होने के कारण मरीज़ की बीमारी बढ़ती है और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। इसलिए प्रदेश सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान खोल रही है। 50 विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान स्थापित कर दिए गए हैं जहां 5-5 विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात कर दिए गए हैं और आने वाले समय में सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों से विशेषज्ञ डॉक्टर लगाए जाएंगे। मेडिकल कॉलेजों में भी सुधार लाया जा रहा है और एम्स दिल्ली की तरह प्रदेश में भी मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश ने वर्ष 2023 और 2025 में आपदा का सामना किया और वह स्वयं इस मुश्किल घड़ी में एक-एक परिवार से मिले और प्रभावितों के दुःख को समझ कर मुआवजा प्रदान करने के पुराने नियम बदले। प्रभावितों को फिर से बसाने के लिए विशेष राहत पैकेज के तहत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों को बनाने के लिए 1.30 रुपये के बजाय अब यह राशि सात लाख रुपये की गई है। आंशिक रुप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए मिलने वाले मुआवजे को पांच हज़ार से बढ़ाकर एक लाख रुपए किया गया है। इस वर्ष भी आपदा प्रभावितों को यह राहत पैकेज दिया जा रहा है और घर बनाने के लिए सात लाख रुपए मिलेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री वंचित वर्ग की सेवा कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश देवभूमि होने के साथ-साथ प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है, इसलिए राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि युवा पीढ़ी को चिट्टे व अन्य नशों के चंगुल से बचाने के लिए योगदान दें। उन्हें खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि उनकी ऊर्जा का सही इस्तेमाल हो सके।

मुख्यमंत्री ने अर्की विधानसभा क्षेत्र में 68.42 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज जिला सोलन के अर्की विधानसभा क्षेत्र में 68.42 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

मुख्यमंत्री ने 58.95 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले डुमैहर पशु चिकित्सालय भवन, अर्की नगर के लिए 18.50 करोड़ रुपये के पेयजल योजना सुधार कार्य, अर्की तहसील की ग्राम पंचायत सरैयांज और मटेरनी के लिए 2.32 करोड़

मुख्यमंत्री ने 23.01 लाख रुपये की लागत से निर्मित वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मझयाट के परीक्षा हॉल, 3.72 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बथालंग के भवन के दूसरे चरण, 45.90 लाख रुपये की लागत से कृषि विस्तार कार्यालय, 2.23 करोड़ रुपये से निर्मित उप-कोषागार भवन दाड़लाघाट और 4.89 करोड़ रुपये की लागत से नव-निर्मित पुलिस स्टेशन भवन दाड़लाघाट का लोकार्पण किया।

उन्होंने नाबार्ड के अन्तर्गत 7.78 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मझयाट-पट्टी देवरा-पपलऊ सड़क, 1.35 करोड़ रुपये की लागत से जल शक्ति उप-मंडल अर्की के अन्तर्गत विभिन्न पेयजल योजनाओं के सुधार व पुनर्गठन कार्य तथा 24.48 करोड़ रुपये की लागत से गम्भर खड्ड से अर्की क्षेत्र की आंशिक रूप से कवर बस्तियों तक उठाऊ पेयजल योजना के कार्य का शुभारंभ किया।

रुपये की लागत से जल वितरण प्रणाली के सुधारीकरण कार्य और दाड़लाघाट में 1.88 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले उप-मंडल पुलिस अधिकारी कार्यालय व सह-आवासीय भवन की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास और स्थानीय लोगों को घर-द्वार के निकट सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के संतुलित और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने क्षेत्र के लिए इन विकास परियोजना को समर्पित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अर्की विधानसभा क्षेत्र की विकासात्मक आवश्यकताओं के प्रति हमेशा से संवेदनशील रहे हैं और निरंतर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

जिला के विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से निर्मित होंगे पुस्तकालय: डीसी

बाघनी में नवनिर्मित पंचायत भवन तथा लाइब्रेरी का किया शुभारंभ

बोले, सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा सुनिश्चित

धर्मशाला। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि कांगड़ा जिला की विभिन्न पंचायतों में पुस्तकालयों का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा ताकि युवा पीढ़ी को पढ़ाई तथा परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें। शनिवार को उपायुक्त हेमराज बैरवा तथा पूर्व महापौर देवेंद्र जग्गी ने बाघनी पंचायत में 32 लाख की लागत से निर्मित पंचायत भवन तथा लाइब्रेरी का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि पंचायत स्तर पर युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने के लिए पुस्तकालयों के निर्माण के साथ साथ खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों मे महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा रहा है तथा उनके उत्पादों को बेचने के लिए हिम ईरा शॉपस भी निर्मित की जा रही है इसके साथ ही अपना कांगड़ा ऐप भी तैयार किया जा रहा है जिसके माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को आन लाइन तरीके से विपणन की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को अपनी अपनी पंचायतों में दुग्ध उत्पादन सोसाइटी भी निर्मित करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार के माध्यम से इन सभाओं से दूध की खरीदारी सुनिश्चित की जाएगी तथा ढगवार में स्थापित हो रहे मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट में विभिन्न तरह के दुग्ध उत्पाद तैयार किए जाएंगे इससे भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों को एफआरए के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि पंचायतों का विकास पंचायत प्रतिनिधियों तथा आम जनमानस की सहभागिता सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि बाघनी पंचायत एक आदर्श पंचायत के रूप में आगे बढ़ रही है तथा जिला प्रशासन और पंचायती राज विभाग की ओर से पंचायत प्रतिनिधियों को विकास में हरसंभव सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांगड़ा जिला में आम जनमानस की समस्याओं का त्वरित समाधान सर्वोच्च प्राथमिकत दी जा रही है ताकि लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ें। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि जिला में सरकार की सभी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों की टीम के साथ पूरी कर्तव्यनिष्ठा एवं तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अर्की विधानसभा क्षेत्र से दूध प्रोत्साहन योजना और परिवहन अनुदान की शुरूआत की

● 8000 किसानों को 3.04 करोड़ रुपए किए वितरित, साल में मिलेंगे 18 करोड़

● प्रदेश सरकार ने निभाए किसानों से किए वायदे

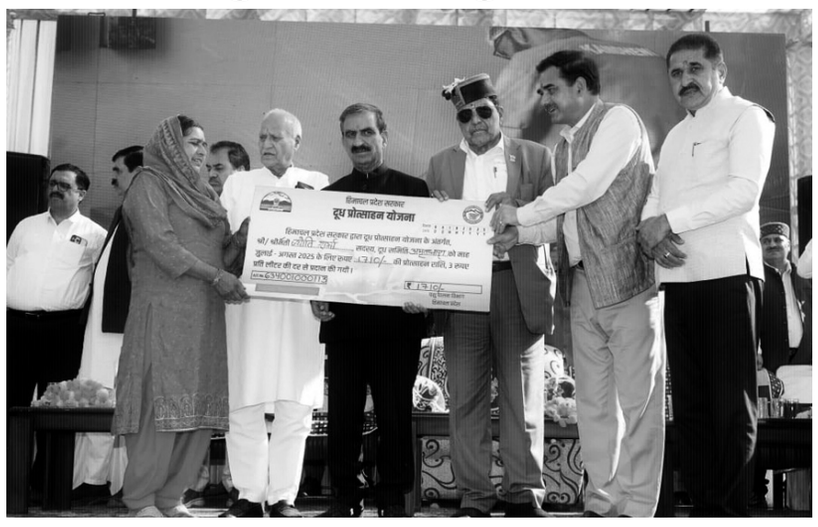

शिमला। किसानों से अपना वादा निभाते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज सोलन जिला के अर्की विधानसभा क्षेत्र से दूध प्रोत्साहन योजना और परिवहन अनुदान योजना की शुरूआत की।

दाड़लाघाट में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने दूध प्रोत्साहन योजना के तहत सोलन की दो निजी दूध समितियों गौ अमृत समिति पपलोटा तथा अमृत धारा समिति दाड़लाघाट व जिला बिलासपुर की दो निजी दूध समितियों कामधेनु व केहलूर दूध समिति से जुड़े 8000 पशु पालकों को जुलाई और अगस्त माह के 1.45 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से प्रदान किए। इसके अलावा इन दूध समितियों को 3 रुपये प्रति लीटर की दर से 1.59 करोड़ रुपये परिवहन अनुदान के रूप में प्रदान किए। राज्य सरकार ने परिवहन अनुदान को 1.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 3 रुपये प्रति लीटर किया है। किसानों को इन योजनाओं से प्रति वर्ष 18.24 करोड़ रुपए के वित्तीय लाभ प्राप्त होंगे।

उन्होंने राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत अर्की विधानसभा क्षेत्र के आठ स्वयं सहायता समूहों को 28.80 लाख रुपए वितरित किए। इसके अलावा उन्होंने कामधेनु हितकारी मंच नम्होल के 10 प्रगतिशील दूध उत्पादकों को 34.20 लाख रुपए भी प्रदान किए। उन्होंने ट्रक ऑपरेटरों की सुविधा के लिए तैयार की गई एक मोबाइल ऐप भी लॉन्च की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों से किए सभी वायदे निभाए हैं। हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां प्रदेश दूध प्रसंघ के माध्यम से गाय का दूध 51 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस का दूध 61 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हिमाचल प्रदेश के पशुपालक किसानों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है कि आज प्रदेश सरकार की दूध प्रोत्साहन योजना और परिवहन अनुदान योजना का शुभारम्भ हो रहा है।

उन्होंने कहा कि दूध प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत वे किसान जो पंजीकृत निजी दुग्ध सहकारी समितियों से जुड़े हैं और अपना दूध इन्ही समितियों को बेचते हैं, उन्हें तीन रुपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खाते में पहुंचेगी। साथ ही, किसानों को इसकी जानकारी तुरन्त एसएमएस के माध्यम से मिलेगी जिसके लिए हिमाचल प्रदेश एनआईसी के माध्यम से विशेष पोर्टल विकसित किया गया है।

श्री सुक्खू ने कहा कि सरकार द्वारा निजी दूध समितियों द्वारा इकट्ठा किए जा रहे दूध के लिए दिए जा रहे परिवहन अनुदान को 1.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जिससे हज़ारों किसानों को लाभ मिलेगा।

प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें: राजीव कुमार

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग की समीक्षा बैठक में दिए दिशा-निर्देश

शिमला। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के निदेशक राजीव कुमार ने आज यहां विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिए कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का अधिक से अधिक उपयोग करते हुए प्रदेश सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों का और अधिक प्रभावी रूप से प्रचार-प्रसार करने की दिशा में अपने प्रयासों में तेजी लाएं। उन्होंने विभागीय निदेशालय और फील्ड स्तर के अधिकारियों से सफलता की कहानियों और विकासात्मक फीचर के जरिये सरकार की उपलब्धियों और लक्षित समूहों को प्राप्त हो रहे लाभों को प्रचारित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित करने के लिए कई नई योजनाएं और कार्यक्रम आरंभ किए हैं। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग पर यह बड़ा उत्तरदायित्व है कि इनकी जानकारी आम जनता तक पहुंचे ताकि ज़रूरतमंद इनका अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। राजीव कुमार ने कहा कि वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के साथ-साथ नई तकनीकों को अपनाने पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। बैठक के दौरान उन्होंने विभाग की विभिन्न शाखाओं से जुड़े मामलों का फीडबैक भी लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। निदेशक ने प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने पर विभाग के कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

मतदाता सूचियों की तैयारी एवं प्रकाशन के सम्बन्ध में अधिसूचना जारी

सोलन। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने पंचायती राज संस्थाओं एवं शहरी निकायों के सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत मतदाता सूचियों की तैयारी एवं प्रकाशन के सम्बन्ध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार मतदाताओं की पात्रता निर्धारित करने की योग्यता तिथि प्रथम अक्तूबर, 2025 तय की गई है। उन्होंने कहा कि प्रारूप निर्वाचक नामावली (प्रारूप मतदाता सूची) 06 अक्तूबर, 2025 को प्रकाशित की जाएगी। संशोधन प्राधिकारी के समक्ष दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 08 अक्तूबर, 2025 से 17 अक्तूबर, 2025 तक है। उन्होंने कहा कि संशोधन प्राधिकारी द्वारा आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि से 10 दिन की अवधि के भीतर दावों एवं आपत्तियों का निपटारा किया जाएगा। यह तिथि 27 अक्तूबर, 2025 निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करने की अवधि 07 दिन निर्धारित की गई है। अर्थात् 03 नवम्बर, 2025 तक अपील प्रस्तुत की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि अपील प्राधिकारी द्वारा अपील दायर करने की तिथि से 07 दिन के भीतर अर्थात् 10 नवम्बर, 2025 तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 13 नवम्बर, 2025 तक या इससे पूर्व निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन कर दिया जाएगा। मनमोहन शर्मा ने कहा कि 01 अक्तूबर, 2025 को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि ज़िला के समस्त खण्ड विकास अधिकारी अपने-अपने खण्डों के मतदाताओं के दावों व आपत्तियों पर निर्णय लेने के लिए पुनरीक्षण प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि प्रारूप निर्वाचक नामावली को ध्यान से देखें और निर्धारित कार्यक्रम अनुसार अपना नाम सूची में दर्ज करवाएं अथवा दावा एवं आपत्तियां प्रस्तुत करें।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

भाजपा सरकार की नाकामी का खामियाजा किसान भुगत रहे हैं: कुमारी सैलजा

● दी चेतावनी- सरकार ने तुरंत ठोस कदम न उठाए तो कांग्रेस किसानों के हक की लड़ाई लड़ेगी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा सरकार की नाकामी का खामियाजा एक बार फिर मेहनतकश किसानों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 12.79 लाख किसानों ने 73.48 लाख एकड़ धान का

पंजीकरण कराया है, लेकिन इनमें से लगभग 30 प्रतिशत किसानों का डेटा पोर्टल पर अब तक मिलान ही नहीं हो पाया। नतीजतन, किसानों को अपनी उपज बेचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर सड़कों पर उतरेगी और उनके हक की लड़ाई लड़ेगी।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि बारिश से भीगा हुआ धान मंडियों में पड़ा सड़ रहा है और उसकी बोली तक नहीं लग रही। किसानों को जबरन अतिरिक्त कटौती झेलनी पड़ रही है। नाम के सत्यापन के नाम पर उनसे 150 से 250 रुपये तक काटे जा रहे हैं और तभी खरीद हो रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति किसानों के साथ सरासर अन्याय है और भाजपा सरकार की लापरवाही व अव्यवस्थित खरीद प्रणाली का जीता-जागता प्रमाण है। सांसद ने कहा कि किसान खेतों में खून-पसीना बहाकर अन्न पैदा करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। लाखों टन धान मंडियों में खराब हो रहा है और सरकार केवल पोर्टल और कागजी कार्यवाही तक सीमित रह गई है। सरकार की संवेदनहीनता के कारण आज किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन में अब तक 543.66 करोड़ की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

● हरियाणा की मंडियों से अब तक 720025.68 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 543.66 करोड़ की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राय में अब तक मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत 63356 किसानों से धान की खरीद की गई है। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहाँ जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राय भर की मंडियों में कुल 892943.07 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है। विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 310821.24 मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 720025.68 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ खरीद सीजन 2025 के दौरान 22 सितंबर से अब तक धान की सबसे अधिक खरीद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से की गई है। विभाग ने अब तक 425680.39 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। वहीं हैफेड ने अब तक 209796.67 मीट्रिक धान की खरीद की है। जबकि हरियाणा राय भंडारण निगम द्वारा 84548.61 मीट्रिक धान की खरीद की गई है। हरियाणा की मंडियों/खरीद केंद्रों में धान की खरीद खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग, हैफेड और हरियाणा राय भंडारण निगम द्वारा की जा रही है।

प्रवक्ता ने बताया कि किसान भाइयों से अपील है कि वे अपनी फसल को मंडी में अछी तरह सुखाकर एवं साफ करने के बाद भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएं। राय की खरीद संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किये हुये है और धान के उठान कार्य में भी तेजी लाई जा रही है।

प्रदेश की ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करे पूरा: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

● अधिकारी हर 15 दिन में कार्यो की समीक्षा करना सुनिश्चित करें ● मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत लाभार्थियों की रजिस्ट्री का कार्य जल्द करे पूर्ण ● मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यो को योजनाबद्ध तरीके से तय समय सीमा में पूरा किया जाए। साथ ही, जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ धरातल पर हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए अधिकारी हर 15 दिन में विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा करना भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज यहां विकास एवं पंचायत विभाग और ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर एडीसी, जिला परिषद के सीईओ, डीडीपीओ और पंचायती राज के कार्यकारी अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार भी उपस्थित रहे। श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि 500 वर्ग गज तक की शामलात भूमि पर अनाधिकृत रूप से निर्मित मकानों का नियमितीकरण करने के कार्यो मे तेजी लाने के लिए ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा की बैठकों का आयोजन किया जाए। इसके अलावा, पात्र लोगों को जागरूक करने के लिए ग्राम पंचायतों में मुनियादी करवाई जाए। अगले तीन सप्ताह के अंदर ग्राम सभा की बैठकों का आयोजन कर इसके तहत केसों का निपटान सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, जिन जिलों के

केस अप्रूव हो चुके है उनकी रजिस्ट्रीयां जल्द करवाई जाए।

स्वामित्व योजना की त्रुटियों को कैंप लगाकर किया जाए ठीक - मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत जिन लाभार्थियों को अधिकार पत्र दिए गए है लेकिन जिनकी रजिस्ट्री किसी कारणवश नहीं हुई उनकी रजिस्ट्री अगले एक महीने में करवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि स्वामित्व योजना को लेकर अलग से कैम्प लगाकर त्रुटियों को ठीक किया जाए और स्वामित्व योजना के मानचित्र को ठीक कर इसकी रिपोर्ट एफसीआर को भेजना सुनिश्चित करे।

राज्य वित्त आयोग की ग्रांट का समुचित उपयोग सुनिश्चित करे - उन्होंने पिछले 4 वर्षों में राज्य वित्त आयोग के तहत जिला परिषद को जारी अनुदान के उपयोग की स्थिति पर निर्देश दिए कि योजना बनाकर तय समय सीमा में विकास कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और विकास कार्यो की राशि को शत प्रतिशत खर्च किया जाए। इसके अलावा, हर 2 महीने में पंचायत समितियों की बैठक आयोजित की जाए।

विकास कार्यो व योजनाओं को लेकर अधिकारी एक-दूसरे विभाग के साथ करे समन्वय - श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभिन्न विकास कार्यो व योजनाओं को लेकर अधिकारी एक-दूसरे विभाग के साथ समन्वय कर कार्य करें ताकि विकास के काम समय पर पूर्ण हो सके। इसके अलावा, उन्होंने यह निर्देश दिए कि विकास कार्यो में गुणवता का ध्यान रखा जाए और समय-समय पर निर्माण सामग्री की चेकिंग भी करवाते रहे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शेड पर कहा कि जिन जिलों के कार्य इसके तहत लंबित है वे जिले योजना बनाकर इसको जल्द पूरा करे। इसके साथ ही फरीदाबाद, गुरुग्राम, झज्जर और पलवल जिलों के लिए गोबर धन योजना के तहत एक-एक प्रोजेक्ट बनाकर मुख्यालय भिजवाना सुनिश्चित किया जाए।

ड्रोन दीदी के लिए एसओपी की जाए तैयार -मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में महिला चौपाल और एससी/बीसी चौपाल की मरम्मत व जीर्णोद्धार के कार्यो को 2 महीने में पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि ड्रोन दीदी के लिए एसओपी तैयार की जाए। साथ ही लखपति दीदी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समयबद्ध तरीके से योजना बनाई जाए।

सांझा बाजार खोलने के लिए जमीन को किया चिन्हित - उन्होंने सांझा बाजार योजना के तहत अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन जिलों में सांझा बाजार नहीं खुले है वहां पर बाजार खोलने को लेकर जमीन को चिन्हित किया जाए। सरकार का सांझा बाजार खोलने को लेकर हित 'लोकल फॉर वोकल' है ताकि स्थानीय कारीगरों को एक नई पहचान मिल सके। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह कैंटीनों को खोलने को लेकर समय सीमा तय की गई है। साथ ही प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना से जुड़ी परियोजनाओं के प्लान बनाकर दिये जाए और इसके तहत चल रहे विकास कार्यो को जल्द पूरा किया जाए।

अमृत सरोवर योजना के तहत बने तालाबों के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता पर दिया जाए बल - मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की मरम्मत के कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरे करे। साथ ही सड़क पर सफेद पट्टियां समय पर लगें व इनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। सड़कों पर लगे साइन बोर्ड व्यवस्थित किए जाएं। उन्होंने अमृत सरोवर योजना के तहत बने तालाबों के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता पर बल देते हुए कहा कि फुटपाथ, बैठने के लिए बेंच, पेड़-पौधों का रोपण और अन्य कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। इसके अलावा, शिवधाम के नवीनीकरण योजना को गति देने के लिए भी अधिकारियों को नियमित समीक्षा बैठकें करने और शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

स्वदेशी से ही भारत बनेगा आत्मनिर्भर : पंडित मोहन लाल बड़ौली

कांग्रेस की गलत नीतियों ने विदेशों पर निर्भरता बढ़ाई हुई थी : बड़ौली

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने शनिवार को सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा है कि स्वदेशी से ही भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। वहीं उन्होंने कांग्रेस को भी आडे हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने कभी भी स्वदेशी की बात नहीं की, इसलिए भारत की निर्भरता विदेशों पर बढ़ती चली गई। श्री बड़ौली ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशों पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी पर जोर दिया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि आज भारत अपनी स्वदेशी वस्तुओं का पूरे विश्व में निर्यात कर रहा है। स्वदेशी वस्तुएं जैसे-जैसे विदेशों में जाएगी भारत और ताकतवर होता जाएगा।

पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह सोनीपत में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी के बाद विपक्ष की सरकारों ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने हमें पश्चिमी विकास मॉडल और आयात पर निर्भर मिश्रित अर्थव्यवस्था दी जिसके कारण देश के उद्योग कमजोर हो गए। श्री बड़ौली ने कहा कि 1964 में दत्तोपंत ठेंगड़ी ने स्वदेशी चेतना को पुनर्जीवित किया। मोदी सरकार ने दत्तोपंत ठेंगडी के बताए मार्ग पर चलते हुए आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। स्वदेशी पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाकर ही हम भारत को मजबूत राष्ट्र बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन ही सच्ची स्वतंत्रता का मार्ग है। जब तक हम दूसरों पर निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी स्वतंत्रता अधूरी रहेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि भारतीय उद्योग और श्रमिक हमारी ताकत है, इसलिए हमें अंध पश्चिमीकरण से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी सिर्फ एक नारा या खादी वस्त्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक विकसित भारत के सपने को साकार करने और उसकी नींव को मजबूत करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। विदेशों से हथियार खरीदने की बजाए अब उनका निर्माण भारत में हो रहा है, जो एक मजबूत और सुरक्षित राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए हर घर स्वदेशी उत्पाद हमारा मंत्र, लक्ष्य और शक्ति है। इसी दिशा में मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल अवसंरचना और वोकल फोर लोकल जैसे अभियान इसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। श्री बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अभियान देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। आर्थिक आत्मनिर्भरता ही देश की असली ताकत है। मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रोहतक में आयोजित कार्यक्रम में देशवासियों से अपील की हमें एक वर्ष में कम से कम पांच हजार रूपये का खादी/हस्तशिल्प उत्पादों को प्रयोग करना चाहिए। इस तरह स्वदेशी व्यवसाय से जुड़े लोगों को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने व्यापारियों से जीएसटी दरों में कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का किया आग्रह

आत्मनिर्भर भारत को गति देने के लिए स्वदेशी उत्पादों के उत्पादन और प्रचार को बढ़ावा दें व्यापारी- मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश के व्यापारियों से आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार द्वारा कम की गई जीएसटी दरों का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता को जीएसटी दरों में सुधार के माध्यम से बहुत बड़ा फायदा मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे जीएसटी बचत उत्सव को आम जनमानस तक पहुंचाने में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि करों में कटौती से न केवल व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि उपभोक्ता भी सस्ते दामों पर वस्तुओं व सेवाओं का लाभ उठा पाएंगे। सस्ते दाम, बढ़ता व्यापार और मजबूत अर्थव्यवस्था, यही जीएसटी उत्सव की मूल भावना है, जो हरियाणा को प्रगति के नए आयाम तक ले जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुधारात्मक कदम आत्मनिर्भर भारत और मजबूत अर्थव्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक पहल है, जिसमें व्यापारी वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि हरियाणा के व्यापारी प्रधानमंत्री की भावना के अनुरूप उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू किए गए नए जीएसटी सुधारों से प्रदेश को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा और आम उपभोक्ता वर्ग को सीधा फायदा होगा। इससे बाजार में रौनक बढ़ेगी और त्योहारी सीजन में उपभोग को नई गति मिलेगी। रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले कई उपभोक्ता सामानों की कीमतों में कमी आई है, जिससे मध्यम वर्ग को अतिरिक्त बचत होगी। यह बचत न केवल उपभोक्ताओं को राहत देगी, बल्कि व्यापार जगत के लिए भी अवसर पैदा करेगी।

पंजाब की तरक्की में सहयोग करने की बजाय पंजाब के दुश्मनों वाली भूमिका निभा रही हैं विपक्षी पार्टियां-मुख्यमंत्री

कोई मुद्दा न होने कारण बौखलाहट में आकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं विपक्षी

लेहरा (संगरूर) । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज विपक्षी पक्ष की ओर से अपने निजी राजीनीति हितों के लिए प्रदेश की तरक्की में रुकावटें पैदा करने की सख्त आलोचना की है। मुख्यमंत्री ने आज यहां कई विकास प्रोजेक्टों को समर्पित करने के बाद एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने पंजाब और पंजाबियों के प्रति संकीर्ण सोच रखी हुई है। विपक्षी पक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता बौखलाहट में आकर सरकार को बदनाम करने की बेतुकी कोशिशें कर रहे हैं लेकिन किसी भी मुद्दे की घाट के कारण बुरी तरह असफल रहे हैं।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि विपक्षी पक्ष के नेता चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री रिहायश पर वापसी के लिए नजरें गाड़े बैठे हैं, लेकिन उनकी किस्मत रूठी हुई है क्योंकि उन्होंने सत्ता में रहते हुए लोगों की इच्छाओं को लगातार नजरअंदाज किया। एक कलाकार के तौर पर विपक्षी नेता की रैलियों में शामिल होने के पुराने दिनों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उनके बुरे कामों से अच्छी तरह से परिचित हैं और अब उनके पिछले पापों का पर्दाफाश करके लोगों आगे सच्चाई का खुलासा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सूझवान लोग पहले ही इनराजनीतिक नेताओं को इनके गुनाहों के लिए बाहर का रास्ता दिखा चुके हैं और वह उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट तौर पर कहा कि इन नेताओं ने प्रदेश और इसके लोगों की पीठ में छुरा घोंपा है और अब वह अपने पापों की कीमत चुका रहे हैं।

अपनी सरकार की प्राप्तियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नौजवानों को सरकारी नौकरियां निरोल मेरिट के आधार पर दी गई हैं जिससे विदेश जाने के रुझान को नकेल पड़ी है और नौजवान पीढ़ी में नई उम्मीद जगी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब बरकत वाली धरती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार लोगों के लंबे समय से लटक रहे मसलों को हल कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार प्रदेश की तरक्की और विकास और इसके लोगों की खुशहाली के लिए अथक मेहनत कर रही है। शिक्षा के प्रति अपनी वचनबद्धता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री ने ग्रामीण नौजवानों के लिए बुनियादी शिक्षा यकीनी बनाने के लिए गांवों में नई लाइब्रेरियां और कॉलेज स्थापित करने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷मैं अब लोगों के प्यार का कर्ज चुक रहा हूं।÷ भगवंत सिंह मान ने अनुसूचित जाति भाईचारों, खेत मजदूरों और अन्य वर्गों के लिए शुरू की गई कई भलाई योजनाओं के बारे में और जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने 4,150.42 करोड़ रुपए की लागत से राज्य में 19,491.56 किलोमीटर ग्रामीण लिंक सड़कों की मुरम्मत और अपग्रेड करने का व्यापक प्रोजेक्ट शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उदेश्य लोगों को सुविधाएं प्रदान करना है क्योंकि ये लिंक सड़कें सुचारू यातायात को यकीनी बनाने में बेहद सहायक होता हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये लिंक सड़कें राज्य में आर्थिक विकास का केंद्र हैं क्योंकि ये एक तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आने-जाने में मदद करती हैं और दूसरी तरफ व्यापार और कारोबार को प्रोत्साहन देती हैं।

पंजाब सरकार 71 शिक्षकों को गौरवमय राज्य शिक्षक पुरस्कार से करेगी सम्मानित: हरजोत सिंह बैंस

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान करेंगे 5 अक्तूबर को श्री आनंदपुर साहिब में शिक्षकों का सम्मान : शिक्षा मंत्री

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने घोषणा की है कि विश्व शिक्षक दिवस (5 अक्तूबर) के अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान 71 सरकारी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और विशेष योगदान के लिए गौरवमय

राज्य शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। इस का उद्देश्य राज्य के शिक्षा क्षेत्र में इन अध्यापकों के समर्पण और शानदार योगदान को योगदान की प्रशंसा करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह पुरस्कार केवल शिक्षकों की उपलब्धियों का ही सम्मान नहीं करते, बल्कि उनके उस समर्पण और मेहनत को भी मान्यता देते हैं, जिसके बल पर वे विद्यार्थियों के सपनों को साकार करते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शक बनते हैं। स्टेट अवार्डों संबंधी जानकारी साझा करते हुए शिक्षा मंत्री ने बताया कि 55 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा (जिनमें 34 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों और 21 प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक शामिल हैं)। इसके अतिरिक्त 10 शिक्षकों को यंग टीचर अवार्ड (6 सेकेंडरी और 4 प्राइमरी शिक्षक) दिया जाएगा। तीन शिक्षकों को विशेष शिक्षक पुरस्कार और तीन को उनकी विशिष्ट नेतृत्व क्षमता के लिए प्रबंधकीय (एडमिनिस्ट्रेटिव) पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पुरस्कार विजेता को मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान एक पदक, शाल और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। स हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि मुख्यमंत्री स भागतवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के कार्यकाल के दौरान पंजाब का शिक्षा क्षेत्र तेजी से तरक्की कर रहा है ।

परिवहन विभाग ने दो वर्षों में 27,500 चालकों को दिया गया प्रशिक्षण : लालजीत सिंह भुल्लर

मलेरकोटला क्षेत्रीय ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना से राज्य में सड़क सुरक्षा और हुनरमंद रोजगार क्षमता बढ़ी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में शुरू किया गया क्षेत्रीय ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र (आर.डी.टी.सी.) मलेरकोटला अब राज्य के ड्राइविंग क्षेत्र में एक नई क्रांति का कारण बन रहा है। यह केंद्र सुरक्षा के प्रति जागरूक और कुशल चालकों की नई पीढ़ी तैयार कर रहा है। पंजाब के परिवहन मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मलेरकोटला में स्थापित यह केंद्र न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि सड़कों को और अधिक सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मात्र दो वर्षों से भी कम समय में यहां 27,500 चालकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि यह केंद्र जून 2023 में पंजाब परिवहन विभाग और अशोक लीलैंड लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से शुरू किया गया था और तब से लगातार अपनी सेवाएँ प्रदान करते हुए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को ड्राइविंग का विशेष प्रशिक्षण देकर वाणिज्यिक वाहन चालकों की कमी को पूरा किया गया है। स. भुल्लर ने कहा कि यह प्रयास युवाओं को सशक्त बनाने और उनके रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि सुव्यवस्थित और पेशेवर प्रशिक्षण से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है और सड़क हादसों में कमी आती है। इसके अलावा, प्रशिक्षित चालक यातायात नियमों का पालन करने में और अधिक जिम्मेदार सिद्ध होते हैं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मलेरकोटला का यह प्रशिक्षण केंद्र केवल ड्राइविंग कौशल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि पंजाब सरकार चालकों की सामाजिक स्थिति को ऊँचा उठाने, सड़क सुरक्षा को प्रोत्साहित करने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

केंद्र सरकार ने जत्थों को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने की अनुमति देकर एक व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाया : स्पीकर

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा साहिब जाने पर जत्थों पर पाबंदी लगाने के केंद्र सरकार के फैसले का विभिन्न धार्मिक और अन्य संगठनों द्वारा कड़ा विरोध किया गया था। उन्होंने आगे बताया कि अब केंद्र सरकार ने श्री गुरु नानक देव जी के गुरुपर्व के मौके पर जत्थों को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने की अनुमति देकर एक व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाया है। इससे दोनों देशों के बीच साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ-साथ शांति स्थापित होगी और आपसी व्यापार भी फलेगा-फूलेगा।

संपादकीय

दहेज के लिए रोज ली जा रही महिलाओं की जानें

दहेज प्रथा पर कानूनन रोक है, लेकिन सच्चाई है कि आज भी दहेज के लिए महिलाओं का उत्पीड़न जारी है। दहेज निषेध अधिनियम के तहत दर्ज मामले हर वर्ष बढ़ रहे हैं। तमाम जागरूकता के बावजूद समाज की तस्वीर नहीं बदली है। हर दिन महिलाओं की जान जा रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रपट के मुताबिक दहेज संबंधी अपराध के मामलों में चौदह फीसद की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है, जहां सबसे ज्यादा 7,151 मामले दर्ज किए गए। जबकि बिहार दूसरे स्थान पर है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि महिलाओं की जिंदगी किस तरह की सामाजिक स्थिति के बीच गुजर रही है। उपभोक्तावाद और आय में विषमता ने स्थिति और खराब की है। राष्ट्र की प्रगति और शिक्षा के प्रसार के बाद उम्मीद बंधी थी कि हमें इन बुराइयों से मुक्ति मिलेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सामाजिक सोच में देश वहीं खड़ा है। दहेज प्रथा की जड़ें इतनी गहरी हैं कि इससे अन्य दूसरी बुराइयां भी पैदा हो गईं। लड़के-लड़कियों में भेदभाव और भ्रूण हत्या जैसी समस्या की जड़ में दहेज भी एक बड़ी वजह है। ऐसे में एनसीआरबी की नई रपट को गंभीरता से लेना होगा। इस संबंध में बने कानून के बेजा इस्तेमाल की बात अक्सर उठाई जाती है। मगर गिनती के ऐसे मामलों के बरक्स इस सच्चाई से कौन इनकार करेगा कि दहेज के लिए महिलाओं की रोज हत्या हो रही है। एनसीआरबी के ही आंकड़े बताते हैं कि 2023 में देश भर में 6,100 से अधिक महिलाओं की मौत हो गई। बेटियों को पढ़ाने और उनके सशक्तीकरण के बाद भी अगर दहेज के मामले बढ़ रहे हैं, तो जाहिर है यह हमारे समाज और व्यवस्था की बड़ी विफलता है। बहुत हद तक पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। आज भी महिलाओं को दहेज संबंधी मामलों में जल्दी न्याय नहीं मिलता। ज्यादातर मामलों में महिलाएं चुपचाप उत्पीड़न सहती हैं। आमतौर पर ऐसे मामले थानों में दर्ज नहीं होते। फिर भी दहेज अपराधों में जिस तरह की अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है, उससे स्पष्ट है कि इस कुप्रथा के खिलाफ लड़ाई अकेले कानून से नहीं लड़ी जा सकती और इस मसले पर समूची सामाजिक सोच को बदलने की जरूरत है।

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे।

संस्कृति, शक्ति और सत्य का उत्सव है दशहरा

(योगेश कुमार गोयल)

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना।

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य

पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें।

शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें 'ज्वारे' कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

(ललित गर्ग)

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रूरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं।

वर्ग पहेली 5873

संकेत: बाएं से दाएं
1. सन् 2000 में यह भारत का 28 वां राज्य बना (4)
4. तुल्यता, बराबरी, संतुलन (3)
7. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
8. जिससे काम निकल जाए (5)
9. प्रथा, रिवाज, रस्म (3)
12. संगीत का एक अंग जिसमें कलात्मक ढंग से अंगों का संचालन करना, नृत्य (2)
14. जंगल, अरण्य, वन (3)
15. उतनी वस्तु जितनी एक बार में तली या सेकी जाए (2)
16. अंतत, अवश्यमेव, अंत (3)
18. कुटिलता, धोखा या छल करने का भाव (4)
20. अंगहीन, अशक्त (3)
21. महाशय, श्रीमान, महोदय (3)
22. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)

(ऊपर से नीचे
1. चटटा टोकरा, पिटारा (2)
2. आंख आना, ओशाबे चश्म, आई हुई आंख (3)
3. पश्चिमी अफ्रीका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की राजधानी, उर्ध्ववायु (3)
4. यथार्थत, ठीक-ठीक (4)
5. मुझे (मराठी)(2)
6. जो रिश्तें में पिता के बड़े भाई हो (2)
10. स्तूप के आकार का (4)
11. इस वृक्ष के छोटे फलों से मदिरा का निर्माण होता है (3)
12. सिख धर्मावलंबी, खालसा (5)
13. अवाम, पब्लिक (3)
15. ढलवां तट, पर्वत ढाल (2)
17. क्रीड़नक, इस फिल्म में संजीव कुमार ने एक पागल की यादगार भूमिका की थी (1970) (3)
19. पैर, पांव, डग, कदम (2)

वर्ग पहेली 5872 का हल

पो	लें	ड		अं	गो	ला	
ता	ड	का		त	ल	वा	र
	क	र	वा			रि	त
ता	र		रा	म	द्रा	स	
जी	ना		ही	न	ता		का
रा		पा		भा	र	द्वा	ज
त	ला	क		व		प	ल
	भ		जा	न	व	र	

ये पांच पूंजियां देती हैं असली अमीरी

(सुंदरचंद ठाकुर)

हमारे समय का सबसे बड़ा भ्रम यह है कि अमीरी का अर्थ केवल पैसों से है। जिनके पास करोड़ों हैं, वही लोग अमीर कहे जाते हैं। पर सच यह है कि दुनिया में अनगिनत लोग हैं जिनके बैंक खाते भरे हैं, मगर वे भीतर से खाली हैं। वे धन के ढेर पर बैठे हैं, लेकिन जीवन की सबसे कीमती संपत्ति उनसे छिन चुकी है। सबसे पहली और सबसे अनमोल संपत्ति है ङ्क शरीर। अगर शरीर थका हुआ है, अस्वस्थ है, तो सोने की थाली में परोसा भोजन भी विष जैसा लगता है। असली अमीरी यह है कि आपका शरीर हर उम्र में चुस्त और फुर्तीला रहे। यह कोई कल्पना नहीं है। अगर जीवन भर सही आहार, नियमित व्यायाम और अनुशासन बना रहे, तो सौ साल की उम्र में भी आदमी दौड़ सकता है, सीढ़ियां चढ़ सकता है और ताजगी के साथ हंस सकता है। बूढ़ा होना स्वाभाविक है, पर कमजोर होना नियति नहीं – यह हमारी जीवनशैली का परिणाम है। फॉजा सिंह को याद करें, जो सौ की उम्र में भी मैराथन दौड़ रहे थे।

दूसरी संपत्ति है – ज्ञान। धन अगर खो जाए तो फिर से कमाया जा सकता है, पर ज्ञान अगर भीतर है, तो कोई भी परिस्थिति आपको गरीब नहीं बना सकती। ज्ञान ही है जो हर अंधेरे में रास्ता दिखाता है। जिसने पढ़ने, सीखने और समझने की आदत को बनाए रखा, वही असल में अमीर है। किताबें, अनुभव और विचार – ये सब मिलकर मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाते हैं।

तीसरी अमीरी है – जीवन का उद्देश्य। बिना उद्देश्य के पैसा बोझ बन जाता है। आदमी लाखों कमाकर भी बेचैन रहता है, क्योंकि उसे पता ही नहीं कि जी क्यों रहा है। उद्देश्य से जुड़ा इंसान हर सुबह एक नई ऊर्जा के साथ उठता है। चाहे उसका बैंक खाता कितना भी छोटा हो, वह भीतर से समृद्ध रहता है।

रिश्ते भी अमीरी का एक स्तंभ हैं। जो व्यक्ति अपने परिवार, मित्रों और समाज से कटकर केवल पैसे बटोरता है, वह अंत में अकेला पड़ जाता है। असली धन यह है कि आपके पास ऐसे लोग हों जिनके साथ आप अपनी खुशी और दुख बांट सकें। जिनकी आँखों में आपको देखकर चमक आ जाए। जिनकी मौजूदगी आपको यह अहसास दिलाए कि जीवन केवल लेने का नहीं, देने का भी नाम है।

और अंत में ईश्वर या परम सत्ता से जुड़ाव। यह जुड़ाव किसी विशेष धर्म या पूजा-पाठ तक सीमित नहीं। यह वह अनुभव है जब मनुष्य यह महसूस करता है कि वह अकेला नहीं, बल्कि एक विराट चेतना का हिस्सा है। जो यह जुड़ाव पा लेता है, वह परिस्थितियों के तूफानों में भी स्थिर रहता है। उसके लिए जीवन शिकायत नहीं, उत्सव बन जाता है।

तो अमीरी का सच्चा अर्थ यह नहीं कि आपके पास कितने घर, कितनी गाड़ियां और कितनी संपत्ति है। अमीरी का असली अर्थ है एक स्वस्थ और फुर्तीला शरीर, एक जागृत और उत्सुक मन, एक स्पष्ट उद्देश्य, सच्चे रिश्ते, और आत्मा का ईश्वर से संवाद। जिसने यह पा लिया, वही सबसे अमीर है।

यानी धन का मोल सोने-चाँदी से नहीं, उस सुकून से है जो भीतर गूंजता है। असली अमीरी वह है, जब सौ बरस की देह भी फुर्तीली हो, मन ज्ञान से भरा हो, रिश्ते प्रेम से खिले हों और आत्मा परम सत्ता से जुड़ी हो।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज दाम्पत्य या प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। इससे जुड़ी कोई बात छिपाने की स्थिति बन सकती है। शाम के समय पारिवारिक माहौल में कटुता बढ़ने की संभावना है। इससे आपका मन थोड़ा तनावग्रस्त रह सकता है। आज आप घर में अपने प्रेम संबंधों का खुलासा कर सकते हैं।

वृष

आज दिन ठीक ठाक ही गुजरता हुआ दिख रहा है। कार्यक्षेत्र से जुड़ी गतिविधियां आपके पक्ष में दिख रही हैं। साथी और सहयोगियों की मदद मिलेगी। हालांकि, उन पर पूरी तरह से निर्भर होना जोखिम भरा हो सकता है। नए कार्यों की योजना बन सकती है। आर्थिक दृष्टि से दिन संतोषजनक रहेगा।

मिथुन

आज परिस्थितियां आपके पक्ष में नहीं दिख रही हैं। करियर में बदलाव की आपकी कोशिश सफल नहीं होंगी। अभी हालात आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि नए काम में हाथ डालने से पहले अपने जीवनसाथी से राय अवश्य ले लें। आज के दिन आपको कुछ पाने के लिए कुछ खोने की स्थिति बनती हुई दिख रही है।

कर्क

आज नए अवसर लेकर आ रहा है। किसी नए प्रोजेक्ट में आपकी रुचि बढ़ सकती है। इस दौरान पुराने मित्रों से आर्थिक सहयोग मिलने की संभावना है। आज के दिन आपको किसी की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। ऐसा करने से उसका लाभ आपको भी किसी न किसी रूप में मिल सकता है।

सिंह

आज दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज सैर-सपाटे की योजना बना सकते हैं। इसके लिए आपको पहले से ही तैयारी करनी होगी। आज के दिन कुछ अधूरे पड़े कार्य भी आपको पूरे करने पड़ सकते हैं। दोपहर के बाद आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या

आज के दिन आपके संकल्पित कार्य पूरे होंगे। किसी का एडमिशन कराना हो, यात्रा की व्यवस्था करनी हो या जरूरी वस्तु की खरीदारी, सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। आज के दिन अटका हुआ पैसा भी आपको मिलता हुआ दिख रहा है। दिन भर धीरे-धीरे आपके कई कार्य निपटते चले जाएंगे।

तुला

आज तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनता दिख रहा है। धन खर्च की आज संभावना भी दिख रही है। मित्रों या सहयोगियों के लिए कुछ धन खर्च करना पड़ेगा। परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को संसाधनों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता होगी। परिवार के साथ आपके रिश्ते थोड़े परेशान करने वाले बनते हुए दिख रहे हैं। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों से टकराव से बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से सामान्य रहने वाला है बिजनेस या नौकरी में प्रगति के लिए आपको आज योजनाओं में कुछ बदलाव करना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में फिलहाल ज्यादा दबाव नहीं दिख रहा है छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने का आज मौका मिलेगा। इसके बावजूद भी आपके कोष पर असर नहीं पड़ेगा।

धनु

आज परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता सता सकती है। इससे घर का वातावरण थोड़ा उदास रह सकता है। इस तनाव से बचने के लिए बेहतर होगा की आज किसी यात्रा या मनोरंजक गतिविधियों का प्लान बना लें। इस दौरान आपके लिए सार्वजनिक वाहन का उपयोग लाभकारी रहेगा।

मकर

आज जातकों दिन अच्छा रहने वाला है। शारीरिक थकान और अस्वस्थता में कमी आएगी। योग, व्यायाम के सकारात्मक असर दिखाई देंगे। परिवार में संतान या छोटे सदस्यों की ओर से कोई अच्छा समाचार मिल सकता है। वस्त्र या अन्य उपयोगी वस्तु का लाभ होगा। घर में रखी किसी खराब चीज को दोबारा उपयोग हो सकती है।

कुंभ

आज जातकों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आपके कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा। कठोर स्वभाव वाले व्यक्ति आज आपसे दूर ही रहेंगे। इससे काम का माहौल हल्का रहेगा। इस दौरान किसी सहकर्मी या वरिष्ठ की ओर से पार्टी का आयोजन मन को प्रसन्न कर देगा। कामकाज में प्रगति से आर्थिक लाभ होता दिख रहा है।

मीन

आज आज का दिन थोड़ा सुस्त रहने वाला है। इस दौरान आपका मूड कुछ उदास रह सकता है। विपरीत हालातों से दबाव की स्थिति रह सकती है। हालांकि दांपत्य जीवन को लेकर थोड़ी परेशानी दिख रही है। युवाओं को प्रेम संबंधों में शिकायत हो सकती है। जीवनसाथी का भरोसा जीतना आज आपके लिए बेहद जरूरी होगा। आज के दिन कुछ जरूरी खर्चे हो सकते हैं।

पहली तिमाही में 99.60 प्रतिशत के दावा निपटान अनुपात के साथ रही उद्योग में अग्रणी

भोपाल। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने अप्रैल 2025 से जून 2025 की अवधि के लिए 99.60 प्रतिशत के दावा निपटान अनुपात की घोषणा की, जो उद्योग में उच्चतम स्तर है। उल्लेखनीय है कि बिना जांच-पड़ताल वाले मृत्यु दावे (डेथ क्लेम) के निपटान का औसत समय केवल 1.1 दिन था।
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य परिचालन अधिकारी, श्री अमीश बैंकर ने कहा, दावों के निपटान से ही स्पष्ट होता है कि कंपनी ने जो वादा किया है वह सही है या नहीं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में, हर दावे को बेहद गंभीरता से लिया जाता है और प्रक्रिया तेज़ी से पूरी की जाती है। यह वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में उद्योग में सबसे अधिक 99.60प्रतिशत के दावा निपटान अनुपात से स्पष्ट होता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल 406.89 करोड़ के मृत्यु दावों का निपटान किया। एआई और मशीन लर्निंग आधारित तकनीकों के साथ डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाकर हम दावों का शीघ्र और कुशलतापूर्वक निपटान कर पा रहे हैं।कंपनी क्लेम फॉर श्योर सेवा पहल के तहत, सभी दस्तावेज़ प्राप्त होने के एक दिन के भीतर सभी पात्र दावों का निपटान करने का वादा करती है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में, कंपनी ने इस पहल के तहत कुल 74.72 करोड़ के दावों का निपटान किया है।

ग्रे मार्केट में टाटा कैपिटल का पलड़ा भारी

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में अगला हफ्ता काफी व्यस्त रहेगा। दो कंपनियों के आईपीओ खुलने जा रहे हैं। यह दो कंपनियां टाटा कैपिटल और एलजी इंडिया है। आइए जानते हैं कि ग्रे मार्केट में किसका पलड़ा भारी है। इस कंपनी के आईपीओ का साइज 15511.87 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 21 करोड़ फ्रेश शेयर और ऑफर फार सेल के जरिए कंपनी 26.58 करोड़ शेयर जारी करेगी। कंपनी का आईपीओ 6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 तक खुला रहेगा। टाटा कैपिटल के आईपीओ का प्राइस बैंड 310 रुपये से 326 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने 46 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14996 रुपये का दांव लगाना होगा। यह एक मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई में होगी। टाटा कैपिटल के आईपीओ का जीएमपी 13 रुपये है। 2 अक्टूबर को कंपनी का आईपीओ 20 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था।
टाटा कैपिटल के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 30 रुपये प्रति शेयर रहा था।

हंगामा ओटीटी ने अपनी नई ओरिजिनल सीरीज़ 'ये है सनक' लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। देश के बड़े डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एकहंगामा ओटीटीने अपनी नई ओरिजिनल सीरीज़ 'ये है सनक' लॉन्च की है। यह छह एपिसोड की रोमांचक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें चाहत, धोखा और पुराने राज एक परिवार की खुशियां तोड़कर रख देते हैं। कहानी में लगातार ऐसे मोड़ आते हैं जो दर्शकों को अंत तक जोड़े रखते हैं। सीरीज़ की कहानी जिया (शिवांगी वर्मा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक स्मार्ट और आत्मनिर्भर मॉडल है और रोहन (अंकित राज) से मंगनी कर चुकी है। लेकिन जिया का मन अचानक रोहन के बड़े भाई इंस्पेक्टर प्रदीप (शरद मल्होत्रा) की तरफ खिंचने लगता है। प्रदीप की पत्नी सोनाली (सिमरन सचदेवा) को जब अपने रिश्ते पर खतरे का अहसास होता है तो पूरा परिवार झूठ, चाहत और धोखे के जाल में फंस जाता है। इसी बीच अतीत का एक चौंकाने वाला सच सामने आता है, जो हालात को और खतरनाक बना देता है। सीरीज़ के लॉन्च पर हंगामा डिजिटल मीडिया के सीईओ सिद्धार्थ रॉय ने कहा,'ये है सनक' एक ऐसी कहानी है जिसमें हर किरदार अपूर्ण है और हर रिश्ता नाजुक। यही बात इसे और दिलचस्प बनाती है।

समुद्री ताकत के मामले में हम, समुद्री ताकत के मामले में दुनिया में 16वें नंबर पर है

दुनिया के टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं

नई दिल्ली एजेंसी। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है और जल्दी ही दुनिया में तीसरे नंबर की इकॉनमी बनने की तरफ अग्रसर है। लेकिन समुद्री ताकत के मामले में दुनिया में 16वें नंबर पर है। एक अनुमान के मुताबिक देश को अगले पांच साल में लगभग 112 जहाजों की जरूरत है लेकिन हमारे देश के शिपयार्ड सिर्फ 28 जहाज ही बना सकते हैं। वॉल्यूम के हिसाब से देश का 95 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 70 प्रतिशत ट्रेड समुद्र के रास्ते ही होता है। लेकिन भारत के निर्यात-आयात का केवल लगभग 5 प्रतिशत ही घरेलू जहाजों द्वारा संभाला जाता है। मतलब साफ है कि देश पूरी तरह से विदेशी जहाजों पर निर्भर है। अब सरकार ने शिपिंग में बड़ी ताकत बनने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

मेटल सेक्टर की दिग्गज कंपनी वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कुछ महीने पहले एक्स पर एक पोस्ट में देश में शिपिंग इंडस्ट्री की हालत पर चिंता जताई थी। उनका कहना है कि भारत के शिपिंग उद्योग में तुरंत सुधार करने की जरूरत है। भारत समुद्री व्यापार में चीन से बहुत पीछे रह गया है। आज अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर

पूरी तरह चीनी जहाजों का दबदबा है। दुनिया के 98 प्रतिशत व्यापारिक जहाजों को या तो चीनी कंपनियां चलाती हैं या वे चीन में बने जहाजों का इस्तेमाल करती हैं। पिछले साल दुनिया में जितने भी जहाजों की आपूर्ति की गई, उनमें से आधे चीन में बने थे। दुनिया की 20 सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों के बेड़े में 30 प्रतिशत जहाज मेड इन चाइना हैं।

समृद्ध समुद्री इतिहास

अग्रवाल ने कहा कि भारत तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है और उसका समृद्ध समुद्री इतिहास रहा है। शिपिंग इंडस्ट्री को रिवाइव करने के लिए सबको मिलकर काम करना होगा। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को एक साथ काम करना होगा। आंकड़ों के मुताबिक साल 1999 में ग्लोबल शिपबिल्डिंग मार्केट में चीन की हिस्सेदारी महज 5 प्रतिशत थी जो 2023 में बढ़कर 50 प्रतिशत हो गई। जनवरी 2024 में कमर्शियल वर्ल्ड फ्लीट में चीन की हिस्सेदारी 19 प्रतिशत से अधिक है। शिपिंग कंटेनर्स के प्रोडक्शन में उसकी हिस्सेदारी 95 प्रतिशत और इंटरमोडल चेसी की ग्लोबल सप्लाई में 86 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इससे पता चलता है कि ग्लोबल शिपिंग इंडस्ट्री में चीन की क्या हैसियत है। भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में 16वें नंबर पर है।

शिपिंग इंडस्ट्री का हाल

सरकार का दावा है कि इन सुधारों से 30 लाख अतिरिक्त नौकरियां पैदा होंगी और 4.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। इससे 4.5 मिलियन ग्रॉस टन शिपबिल्डिंग कैपेसिटी को सपोर्ट मिलेगा। कुछ ही साल में यह कैपेसिटी बढ़कर 8.2 मिलियन ग्रॉस टन तक पहुंचने की संभावना है। सरकार और उद्योग के आंकड़ों के अनुसार भारत की मौजूदा जहाज निर्माण क्षमता अभी सिर्फ 0.1 मिलियन ग्रॉस टन से थोड़ी ज्यादा है। इन सुधारों से बंदरगाहों की क्षमता में प्रति वर्ष 250 मिलियन टन की अतिरिक्त वृद्धि होगी। इसके अलावा 2,500 से ज्यादा नए जहाज भी जोड़े जाएंगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत की मौजूदा बंदरगाह क्षमता प्रति वर्ष 2,600 मिलियन टन है। भारत की आज ग्लोबल शिपिंग सेक्टर में हैसियत बेहद मामूली है। निर्यात-आयात के लिए हम विदेशी जहाजों पर निर्भर हैं। भारतीय के शिपयार्ड बहुत कम जहाज बनाते हैं।

अमित शाह ने एफई बेस्ट बैंक अवार्ड्स में डिजिट इंश्योरेंस को 'बेस्ट फिनटेक इंश्योरेंस अवार्ड' से सम्मानित किया

मुंबई, एजेंसी। गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस (डिजिट इंश्योरेंस), भारत की प्रमुख डिजिटल फुल-स्टैक इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, को प्रतिष्ठित एफई बेस्ट बैंक अवार्ड्स 2025मेंबेस्ट फिनटेक इंश्योरेंस अवार्डसे सम्मानित किया गया।

यह अवार्डडिजिट इंश्योरेंस की एमडी एवं सीईओ जसलीन कोहलीकोमाननीय गृह मंत्री श्री अमित शाहद्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर परमाननीय महाराष्ट्र मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीसऔरमाननीय उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदेभी उपस्थित रहे।

इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जसलीन कोहली, एमडी एवं सीईओ, डिजिट इंश्योरेंस, ने कहा- यह सम्मान हमारे लगातार टेक-ड्रिवन नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने का प्रमाण है। डिजिट इंश्योरेंस में, हम लगातार वर्तमान ढांचे को चुनौती देते हैं और बीमा पारिस्थितिकी तंत्र को पारदर्शिता, गति और भरोसा प्रदान करने के लिए फिर से कल्पना करते हैं। यह अवार्ड हमें ग्राहकों और भागीदारों को सशक्त बनाने और उद्योग के लिए नए मानक स्थापित करने वाले समाधान

बनाने के लिए प्रेरित करता है। डिजिट इंश्योरेंस को बीमा क्षेत्र में तकनीक के अभिनव उपयोग, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सम्मानित किया गया। 2017 में अपनी स्थापना के बाद से, डिजिट नेडिजिटल-फर्स्ट सॉल्यूशन्स, पेपरलेस प्रक्रियाओं और एआई-आधारित नवाचारोंके माध्यम से बीमा क्षेत्र में परिवर्तन किया है। कंपनी मोटर, स्वास्थ्य, यात्रा, संपत्ति और दायित्व सहित उत्पादों का व्यापक पोर्टफोलियो प्रदान करती है और अब तक7 करोड़ से अधिक ग्राहकों की सेवा कर चुकी है।

चश्मा बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट के आईपीओ को सेबी की मंजूरी

मुंबई, एजेंसी।
चश्मा बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सेबी ने मंजूरी दे दी है। अब कंपनी आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस और लॉन्चिंग की तारीख का ऐलान करेगी। ऐसा अनुमान है कि नवंबर में कंपनी की लिस्टिंग हो सकती है। बता दें कि कुल आईपीओ का आकार 7,500-8,000 करोड़ रुपये (850-900 मिलियन) होने की उम्मीद है। यह इसे टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद इस साल के सबसे बड़े इश्यू में से एक बना देगा। पिछले दो वर्षों में 33 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ, राजस्व भी साल-दर-साल 23 प्रतिशत बढ़कर 6,652.5 करोड़ रुपये हो गया। आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कंपनी द्वारा संचालित और कंपनी के मालिकाना हक वाले नए स्टोर शुरू करने लीज, किराया और लाइसेंस समझौते के भुगतान के लिए किया जायेगा। इसके साथ ही टेक्नोलॉजी, क्लाउड संबंधी इंफ्रा, ब्रांड के विपणन और कारोबार के प्रमोशन के लिए किया जायेगा। कोटक महिंद्रा, मॉर्गन स्टेनली, सिटी, एवेंडस कैपिटल और इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज इसके आईपीओ के मर्चेंट बैंकर हैं। साल 2008 में स्थापित

लेंसकार्ट दुनिया भर में 2000 से अधिक स्टोर संचालित करती है, जिसकी ऑनलाइन और ऑफलाइन उपस्थिति मजबूत है। इसे सॉफ्टबैंक, एडीआईए, टेमासेक, केकेआर, अल्फा वेव, टीपीजी और केदारा कैपिटल जैसे प्रमुख वैश्विक निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। लेंसकार्ट के प्रमोटर्स में पीयूष बंसल 2 करोड़ शेयर बेचेंगे जबकि नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमीत कपाही प्रत्येक अपनी छोटी हिस्सेदारी बेचेंगे। वर्तमान में प्रमोटरों के पास कंपनी की सामूहिक हिस्सेदारी 19.96 प्रतिशत है जबकि 80.04 प्रतिशत हिस्सेदारी संस्थागत और अन्य शेयरधारकों के पास है।

आईपीओ में फ्रेश इश्यू कितना

लेंसकार्ट के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक आईपीओ में 2,150 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल होगा। इसके साथ ही मौजूदा निवेशकों और प्रमोटरों द्वारा 13.2 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी होगी। ओएफएस में सॉफ्टबैंक समर्थित एसवीएफ द्धद्ध, अल्फा वेव वेंचर्स, टेमासेक के सहयोगी, प्रेमजी इन्वेस्ट और केदारा कैपिटल सहित प्रमुख शेयरधारक भागीदारी करेंगे।

डिफेंस शेयर में आई तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में अच्छी तेजी आई है। पारस डिफेंस के शेयर शुक्रवार को क्स्श्च में 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 729 रुपये पर पहुंच गए हैं। पारस डिफेंस के शेयरों में यह तेजी रक्षा मंत्रालय की तरफ से ऑर्डर मिलने के बाद आई है। कंपनी ने बताया है कि उसकी इकाई पारस एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजीज को डिफेंस मिनिस्ट्री से 46.19 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। पारस डिफेंस ने कुछ महीने पहले ही अपने शेयरों का बंटवारा किया है।

पारस डिफेंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की सहायक कंपनी पारस एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को रक्षा मंत्रालय से 46.19 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर ड्रोन जैमर्स जैसे एंटी-ड्रोन सिस्टम्स के लिए है। ऑर्डर की शर्तों के तहत कंपनी को ड्रोन जैमर्स जैसे एंटी-ड्रोन सिस्टम्स की सप्लाई करनी होगी। ऑर्डर की डिलीवरी मार्च 2026 तक की जानी है। पारस डिफेंस को पिछले महीने इजरायल की कंपनी एल्बिट सिक्योरिटी सिस्टम्स लिमिटेड से इलेक्ट्रोऑप्टिक्स के लिए 34 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला था। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) कर चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2025 में अपने शेयर को 2 टुकड़े में बांटा है। डिफेंस कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 5-5 रुपये फेस वैल्यू वाले 2 शेयरों में बांटा। इस साल अब तक पारस डिफेंस के शेयरों में करीब 45 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। पारस डिफेंस के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 971.80 रुपये है।

नियम तोड़ने पर आरबीआई का बड़ा एक्शन

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज पर बड़ी कार्रवाई की है। दरअसल, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से जुड़े कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर 31.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा केवाईसी निर्देश, 2016 प्रतिशत के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने पर एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज पर भी 4.2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उसने 31 मार्च, 2024 तक अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में पर्यवेक्षी मूल्यांकन (आईएसई 2024) के लिए एक वैधानिक निरीक्षण किया। रिजर्व बैंक के निर्देशों और संबंधित पत्राचार का पालन न करने के पर्यवेक्षी निष्कर्षों के आधार पर, एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस पर बैंक के जवाब, उसके द्वारा दिए गए अतिरिक्त प्रस्तुतियां और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान दिए गए मौखिक प्रस्तुतियों पर विचार करने के बाद, रिजर्व बैंक ने पाया कि आरोप मौद्रिक जुर्माना लगाने के लिए उपयुक्त थे। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प ने कुछ क्रेडिट कार्डधारकों के रिफंड/विफल/गलत लेनदेन से उत्पन्न क्रेडिट शेष को उनके बैंक खातों में वापस करने का कोई प्रयास नहीं किया।

सिट्रोएन ने नई एयरक्रॉस एक्स लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी।
सिट्रोएन इंडिया ने अपने एक्स-सीरीज़ पोर्टफोलियो में नई सिट्रोएन एयरक्रॉस एक्स पेश की है। यह ब्रांड की सिट्रोएन 2.0 - ''शिफ्ट इन टू द न्यू'' की रणनीति के अंतर्गत विकसित की गई है। नई एयरक्रॉस एक्स को आधुनिक भारतीय परिवारों के लिए बनाया गया है, जो स्टाईल के साथ कम्फर्ट और इनोवेशन भी चाहते हैं। हाल ही में लॉन्च की गई बैसाल्ट एक्स की सफलता के बाद, नई एयरक्रॉस एक्स सिट्रोएन एक्स-सीरीजत्र को मजबूती प्रदान कर रही है। यह सीरीज़ एक्सक्लुसिव, परफॉर्मेंस पर केंद्रित और एक्सेसिबल इनोवेशन प्रदान करती है।

एक्स रेंज के साथ भारत में सिट्रोएन का एक नया साहसी सफर शुरू हुआ है। इसमें प्रीमियम डिज़ाईन और बेहतरीन इनोवेशन के साथ इस सेगमेंट में पहली बार उद्योग की अग्रणी, लोकेशन और

कॉन्टैक्स्ट-अवेयर कन्वर्सेशनल असिस्टैंट कारा पेश की गई है, जो सिट्रोएन कार को और अधिक स्मार्ट एवं इन्ट्यूटिव बना देती है। नई एयरक्रॉस एक्स रेंज केवल अपडेट नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक ऐसी एसयूवी प्रदान कर रही है, जो हर मामले में बेहतरीन है।

स्टेलैंटिस इंडिया में बिज़नेस हेड एवं डायरेक्टर - ऑटोमोटिव ब्रांड्स, कुमार प्रियेश ने कहा, ''नई एयरक्रॉस एक्स को भारतीय परिवारों की जरूरतों के अनुरूप डिज़ाईन किया गया है। इसमें सबसे बेहतर स्पेस, कम्फर्ट, सुरक्षा और स्मार्ट इनोवेशन दिया गया है। कारा के साथ हमने दैनिक मोबिलिटी को और अधिक इन्ट्यूटिव एवं पर्सनल बना दिया है। नई एयरक्रॉस एक्स अद्वितीय है क्योंकि इसमें फैमिली एसयूवी की व्यवहारिकता के साथ हमारे एक्स-सीरीज़ डिज़ाईन का प्रीमियम फील भी है। यह एक बहुउपयोगी एसयूवी है, जो एस्पायरेशनल होने के साथ एक्सेसिबल भी है।''नई एयरक्रॉस एक्स का डिज़ाईन लाउंज जैसा और आधुनिक सौंदर्य में प्रीमियम अनुभव प्रदान करता है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग पेश की

मुंबई, एजेंसी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडियरी, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (''एलजीईआईएल'' या ''कंपनी'') ने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग पेश की है। इसके प्रति ईक्विटी शेयर का मूल्य 1,080 रुपये से 1,140 रुपये होगा। एंकर इन्वेस्टर बिडिंग डेट 06 अक्टूबर, 2025, दिन मंगलवार तय की गई है। इस बिड/ऑफर की सदस्यता 07 अक्टूबर, 2025, दिन मंगलवार से शुरू होगी और 09 अक्टूबर, 2025, दिन गुरुवार को समाप्त होगी। निवेशक कम से कम 13 ईक्विटी शेयर के लिए, और उसके बाद 13 ईक्विटी शेयर के गुणांक में बोली लगा सकेंगे। एम्प्लॉई रिज़र्वेशन पोर्शन के अंतर्गत बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति ईक्विटी शेयर 108 रुपये का डिस्काउंट दिया जाएगा। एडवरटाईज़मेंट देखें, जो अनुलग्नक के रूप में संलग्न है। इस ऑफर में प्रमोटर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक. द्वारा 10 रुपये प्रति शेयर की फेस वैल्यू के 101,815,859 ईक्विटी शेयर्स तक की बिक्री शामिल है। इसके बुक रनिंग लीड मैनेजर एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड हैं, तथा केफिन टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड इस ऑफर के रजिस्ट्रार हैं। इक्विटी शेयरों को एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर रेगुलेशंस के रेगुलेशन 31 के साथ पढ़े जाते हुए संशोधित सिक्योरिटीज़ कांट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) नियमों, 1957 (एससीआरआर) के नियम 19(2) (बी) की शर्तों के अंतर्गत पेश किया जा रहा है.

पारंपरिक बैंक जमा की बजाय पूंजी बाजार, म्यूचुअल फंड] अन्य निवेश विकल्पों की तरफ जा रहे हैं

शेयर बाजार की वजह से बदला है मिजाज

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वक्त ऐसा था जब लोग निवेश के लिए बैंकों का रुख करते थे लेकिन अब हालात बदलने लगे हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट कहती है कि अब लोग अपनी जमा-पूंजी को फिक्स्ड डिपॉजिट या सेविंग अकाउंट में नहीं रख रहे। इसके बजाय वे ज्यादा मुनाफा पाने के लिए पैसा शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड जैसे निवेशों में लगाने लगे हैं। क्रिसिल ने शुक्रवार को कहा कि बैंकिंग प्रणाली में जमाओं की संरचना तेजी से बदल रही है। सावधि जमा में गिरावट और चालू एवं बचत खातों में शेष राशि की हिस्सेदारी कम होने से यह बदलाव और स्पष्ट हो रहा है। एजेंसी का मानना है कि यह रुझान बैंकों के लिए मध्यम से दीर्घावधि में बड़ी चुनौती बन सकता है, खासकर नकदी की तंगी या लिक्विडिटी संकट के समय।

क्या कहा क्रिसिल ने

क्रिसिल के मुताबिक जमाकर्ताओं का रुझान अब हाई रिटर्न की ओर बढ़ रहा है। पारंपरिक बैंक जमा की बजाय लोग पूंजी बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य निवेश विकल्पों की तरफ जा रहे हैं। यही वजह है कि बैंकों की जमा वृद्धि पर दबाव पड़ रहा है। एजेंसी का कहना है कि यह बदलाव एक ओर जहां बैंकिंग प्रणाली की परिपक्वता को दर्शाता है, वहीं

दूसरी ओर जमा की स्थिरता को कमजोर भी कर सकता है।

आंकड़ों के अनुसार, जमा आधार में घरेलू क्षेत्र की हिस्सेदारी मार्च 2020 में 64 प्रतिशत थी, जो घटकर मार्च 2025 में 60 प्रतिशत रह गई है। क्रिसिल का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में घरेलू योगदान में और गिरावट देखने को मिल सकती है। इसका सीधा असर बैंकों की उधारी लागत पर पड़ेगा, क्योंकि उन्हें जमाकर्ताओं को आकर्षित करने के लिए अधिक ब्याज दरें देनी पड़ सकती हैं। बीते दिनों वित्त मंत्रालय की ओर से बैंकों से कासा जमा में सुधार लाने और एमएसएमई एवं कृषि क्षेत्र को ऋण देने में वृद्धि करने का आह्वान किया। इस मंत्रालय अधिकारी ने कहा कि कासा जमा में सुधार से बैंकों को अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को ऋण देने में भी मदद मिलेगी।

पेनी स्टॉक दे रहा है 10 बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट का हो गया है ऐलान

5 साल में 1100 प्रतिशत चढ़ा शेयर

मुंबई, एजेंसी। पेनी स्टॉक हर्षिल एग्रोटेक लिमिटेड ने बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी निवेशकों को 10 बोनस शेयर देगी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान शनिवार को कर दिया गया है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस स्टॉक के विषय में कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि 32 शेयर पर योग्य निवेशकों को 10 शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 10 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन योग्य निवेशकों के पास इस दिन रहेंगे उन्हें बोनस इश्यू का फायदा होगा। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर हर्षिल एग्रोटेक लिमिटेड के शेयर 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 0.72 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 89 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 11.79 रुपये और 52 वीक लो लेवल 0.72 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 22.40 करोड़ रुपये का है। भले ही निवेशकों के लिए यह साल कठिन रहा है। लेकिन दो साल में हर्षिल एग्रोटेक लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 242 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 3 साल में यह स्टॉक 414 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। 5 साल में हर्षिस एग्रोटेक लिमिटेड के शेयरों का भाव 1100 प्रतिशत बढ़ा है।

मंटीनेशनल कंपनियों में ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करता है वेटरनरी कोर्स

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ़्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आईआईटी की ऐसे करें तैयारी जरूर मिलेगी सफलता

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए! सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवत: परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया टूर के लिए टीम का ऐलान

रोहित से वनडे की कप्तानी छीनी

अब कमान गिल के हाथों में, श्रेयस उपकप्तान, रोहित-विराट खेलेंगे बतौर खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वनडे टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। रोहित शर्मा से वनडे कप्तानी

कंगारुओं से 3 एकदिवसीय व 5 टी-20 खेलेगी टीम इंडिया

छीनकर इसे शुभमन गिल के हाथों में सौंपा गया है। गिल पहले से ही टेस्ट टीम के कप्तान हैं। श्रेयस अय्यर को

उपकप्तान बनाया गया है, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली बतौर खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगी।

पहला वनडे 19 अक्टूबर को पर्थ में, दूसरा 23 अक्टूबर को एडिलेड में और तीसरा 25 अक्टूबर को सिडनी में होगा। इसके बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे।

भारत की वनडे और टी-20 टीम

- **वनडे :** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।
- **टी-20 :** सूर्यकुमार (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

टीम इंडिया की अहमदाबाद टेस्ट में बड़ी जीत

● वेस्टइंडीज ने तीसरे ही दिन टेके घुटने, जडेजा का ऑलराउंड प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पारी और 140 रनों से जीत हासिल की. वेस्टइंडीज की दूसरी पारी खेल के तीसरे दिन (4 अक्टूबर) लंच के बाद 146 रनों पर सिमट गई. भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन किया. उन्होंने शतक जड़ने के अलावा दूसरी पारी में चार विकेट झटके.

मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 448 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी. भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 286 रनों की लीड मिली. वहीं वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रनों पर सिमट गई थी. दोनों टीम्स के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा. दूसरी पारी में भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशानजक रहा. 50 रनों के अंदर ही मेहमान टीम के पांच विकेट गिर गए. रवींद्र जडेजा ने जॉन कैम्पबेल (14 रन), ब्रैंडन किंग (5 रन) और शाई होप (1 रन) को चलता किया. वहीं मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल (8 रन) को पवेलियन भेजा.

चाइनामैन कुलदीप यादव ने कप्तान रोस्टन चेज को सस्ते में आउट किया. पांच विकेट गिरने के बाद एलिक अथानाज (38 रन) और जस्टिन ग्रीव्स (25 रन) ने मिलकर 46 रनों की साझेदारी की. इस पार्टनरशिप के टूटने के बाद भारत की जीत महज औपचारिकता थी. दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट झटके. वहीं मोहम्मद सिराज को तीन सफलताएं हासिल हुई. कुलदीप यादव ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिए.

दोस्ताना मुकाबलों के लिए लौटारो रिवेरो अर्जेंटीना की टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिवर प्लेट के डिफेंडर लौटारो रिवेरो को अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। लौटारो उन तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मैचों के लिए चुना गया। अर्जेंटीना 10 अक्टूबर को मियामी में वेनेजुएला के खिलाफ खेलेगा। इसके तीन दिन बाद यह टीम शिकागो में प्यूर्टो रिको को चुनौती देगी। रेसिंग क्लब के गोलकीपर फाकुंडो कैम्बेसिस और

पाल्मेरास के मिडफील्डर एनीबल मोरेनो को भी पहली बार अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने टीम में जगह दी है। ये मुकाबले इस महीने संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाने हैं। इनके अलावा, स्कालोनी ने बॉर्नमाउथ के डिफेंडर मार्कोस सेनेसी को एक बार फिर टीम में शामिल किया गया है, जबकि चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज निलंबन के कारण सितंबर में खेले गए वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स से बाहर रहने के बाद एक बार फिर वापसी कर रहे हैं।

अर्जेंटीना की टीम में एमिलियानो मार्टिनेज, खेरोनिमो रूली, वाल्टर डेनियल बेनितेज और फाकुंडो कैम्बेसिस को गोलकीपिंग का जिम्मा सौंपा गया है। इस टीम की कमान लियोनेल मेस्सी को सौंपी गई है। खेमे में लिवरपूल के मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेंको मस्तंतुओनो, एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड जूलियन अल्वारेज और इंटर मिलान के स्ट्राइकर लौटारो मार्टिनेज भी शामिल हैं।

लियोनेल मेस्सी गोट टूर 2025 के लिए दिसंबर में भारत आने की पुष्टि कर चुके हैं। चार शहरों का यह दौरा 13 दिसंबर को कोलकाता से शुरू होगा, जिसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और 15 दिसंबर को नई दिल्ली में समाप्त होगा।

बीएफआई कप

मुक्केबाज हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने जीते अपने-अपने मुकाबले; बीएफआई कप के अगले दौर में जगह बनाई

चेन्नई, एजेंसी। हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेना के मोहम्मद हुसामुद्दीन ने बीएफआई कप एलीट पुरुष मुक्केबाजी टूर्नामेंट के पहले दौर में हर्ष को 5-0 से हराया। महिला वर्ग में अंडर 22 एशियाई कांस्य पदक विजेता भावना शर्मा (रेलवे) ने सिमरन को 48 से 51 किलोवर्ग में 3-2 से मात दी। वहीं, राजस्थान की पार्थवी ग्रेवाल ने रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर जीत दर्ज की। इस तरह हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी।

पैरा चैम्पियनशिप

कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते।

चाईना ओपन

पेगुला चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी अमेरिकी

नवारो को हराया; अब नोसकोवा से सामना

बीजिंग, एजेंसी। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया। जेसिका पेगुला चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अमेरिका की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया

और अंतिम चार में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया।

पेगुला ने कहा, मैंने खुद से कहा कि ज्यादा निराश मत हो और सिर्फ शांत बनी रहो। मैंने रिलेक्स होने की कोशिश की और गेम प्लान पर आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इससे मुझे खुलकर खेलने का मौका मिला। 20 साल की नोसकोवा डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी हैं। एक अन्य सेमीफाइनल में गत चैंपियन कोको गॉफ का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से होगा।

पाकिस्तान में ट्रॉफी चोर को इनाम!

● मोहसिन नकवी को मिलेगा गोल्ड मेडल, साहसिक कदम बताकर की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार किसी क्रिकेट उपलब्धि के लिए नहीं, बल्कि एक अजीब वजह से. एशिया कप 2025 के फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी 'ड्रामा' के बाद अब उन्हें पाकिस्तान में शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो उत्कृष्टता स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा. जी हां, वो ही नकवी जिन्हें भारत के खिलाड़ियों ने फाइनल के बाद ट्रॉफी लेने से साफ इनकार कर दिया था, अब उन्हें पाकिस्तान में 'साहस और सिद्धांत' का प्रतीक बताया जा रहा है.

क्यों मिल रहा है गोल्ड मेडल?

रिपोर्ट के मुताबिक, यह फैसला सिंध और कराची बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट गुलाम अब्बास जमाल ने लिया है. जमाल ने कहा कि मोहसिन नकवी ने भारत के दबाव में न झुकते हुए राष्ट्रीय गर्व को ऊंचा किया और इसी 'वीरता' के लिए उन्हें यह गोल्ड मेडल दिया जाएगा. उनके मुताबिक, नकवी ने राजनीतिक और खेल दोनों मोर्चों पर पाकिस्तान की शान को बरकरार रखा.

असल में क्या हुआ था?

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की जीत के बाद ट्रॉफी प्रस्तुति समारोह के दौरान विवाद हो गया था. रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही तय कर लिया था कि अगर मोहसिन नकवी ट्रॉफी सौंपेंगे तो वे उसे नहीं लेंगे. जब नकवी मंच पर पहुंचे, तो भारतीय कप्तान और खिलाड़ी ट्रॉफी से दूरी बनाकर खड़े रहे.

अब 'बेइज्जती' पर 'गर्व' मना रहा पाकिस्तान– दुनियाभर में इस घटना की आलोचना हुई। क्रिकेट फैंस से लेकर पूर्व खिलाड़ियों ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया, लेकिन पाकिस्तान में नकवी को मजबूत नेता और देश की प्रतिष्ठा के रक्षक के रूप में पेश किया जा रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान में कुछ राजनीतिक और खेल संगठनों ने नकवी की तारीफ करते हुए उन्हें 'राष्ट्रीय नायक' बताया है.

पाकिस्तान के खिलाफ भारत आजमाएगा अपनी ताकत

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें इस रविवार वनडे विश्व कप 2025 में आमने-सामने होंगी। पिछले तीन रविवार को पुरुष टीमों के नाटकीय मुकाबलों के बाद अब यह मुकाबला कौशल के साथ भावनाओं की जंग भी होगा। भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मुकाबले बेहद मजबूत है ङ्क दोनों टीमों ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 मुकाबले खेले, जिनमें भारत ने 24 और पाकिस्तान ने केवल 3 जीते हैं।

वनडे में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 में से सभी मैच जीते हैं। भारत ने टूर्नामेंट में पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन से हराया, जबकि पाकिस्तान को बांग्लादेश ने सात विकेट से मात दी।

भारत की नजर अब नेट रनरेट बेहतर करने पर है, जो टूर्नामेंट के अंतिम चरण में निर्णायक हो सकता है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। पहले मैच में छह विकेट 124 रन पर गिरने के बाद निचले मध्यक्रम ने 47 ओवर में 250 से अधिक रन बनाए। भारत की ताकत उसकी बल्कि मजबूत बल्लेबाजी है, लेकिन पाकिस्तान जैसी टीम के खिलाफ बल्लेबाजों को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पाकिस्तान की चिंता उसकी बल्लेबाजी रही, पहले मैच में उसके बल्लेबाज पूरी तरह संघर्ष में रहे। फातिमा सना और डायना बेग ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन स्कोर छोटा रहा।

बदल गया कप्तान, रजत पाटीदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

अब इस टीम की संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारों में शुमार रजत पाटीदार को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है. पिछले कुछ समय में उन्होंने बतौर कप्तान काफी शानदार प्रदर्शन किया है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद पहली IPL ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभा चुके रजत पाटीदार ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल में सेंट्रल जोन की टीम को खिताब जीता था. अब वहमध्य प्रदेश रणजी टीम की कमान संभालने वाले हैं.

रजत पाटीदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए रजत पाटीदार को अपनी टीम का कप्तान बनाने का ऐलान किया है. वह आगामी रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में शुभम शर्मा की जगह लेंगे. मध्य प्रदेश ने 2022 में अपना पहला रणजी खिताब जीता था, और अब पाटीदार की कप्तानी में टीम उस सफलता को दोहराने का लक्ष्य रख रही है. वह फिलहाल इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर

रहे हैं, जहां वह रणजी चैंपियन विदर्भ के खिलाफ खेल रहे हैं. मध्य प्रदेश की 15 सदस्यीय टीम में बल्लेबाजी मजबूत रखने के लिए यश दुबे, हर्ष गौली और शुभम शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं. वहीं, गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और आर्यन पांडेय के साथ-साथ स्पिनर कुमार कार्तिकेय और सरांश जैन टीम को संतुलित बनाएंगे. वहीं, हिमांशु मांटरी, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, अधीर प्रताप, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल भी टीम में शामिल हैं. बता दें, रणजी ट्रॉफी 2025-26 दो फेज में खेली जाएगी. पहला फेज 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा, जबकि दूसरा फेज 22 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेगा. इसके बाद नॉकआउट स्टेज 6 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा.

रणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए मध्य प्रदेश की टीम:

रजत पाटीदार (कप्तान), यश दुबे, हर्ष गवली, शुभम शर्मा, हिमांशु मंत्री, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन, अधीर प्रताप, आर्यन पांडे, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल और कुलदीप सेन

पारदर्शिता व जनभागीदारी की दिशा में हरियाणा सरकार का बड़ा कदम, मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया 'म्हारी सड़क मोबाइल एप'

● डिजिटल एप से नागरिक सीधे सरकार तक पहुँचा सकेंगे सड़क से संबंधित समस्याएं

● 'म्हारी सड़क ऐप' में जी.आई.एस आधारित डिजिटल मैपिंग से सड़क की स्थिति पर होगी सीधी नजर

हिन्द जनपथ,पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा में ढांचागत विकास को नई गति देने के लिए पारदर्शिता व जनभागीदारी की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज म्हारी सड़क मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप नागरिक और सरकार के बीच सेतु का काम करेगा। सरकार का लक्ष्य प्रदेश में बेहतर सड़कों का जाल बिछाकर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को मजबूत आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सड़कें विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं और इस दिशा में हरियाणा सरकार दृढ़ संकल्पित है। पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप नागरिकों को सड़कों की स्थिति की जानकारी सीधे सरकार तक पहुंचाने का माध्यम है। इस ऐप के माध्यम से नागरिक सड़कों पर गड्ढे, टूटी सड़क या सड़क पर जलभराव की समस्या की लोकेशन के साथ शिकायत दर्ज कर सकेंगे। संबंधित विभाग को तत्काल सूचना मिलते ही सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाएगा। इस ऐप के माध्यम से शिकायत की टाइम बाउंड मॉनिटरिंग होगी।

म्हारी सड़क ऐप में जी.आई.एस आधारित डिजिटल मैपिंग से सड़क की स्थिति पर होगी सीधी नजर - उन्होंने कहा कि हरियाणा के आधारभूत ढांचे को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है और पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनभागीदारी को अपनी प्राथमिकता बना रही है। उन्होंने कहा कि हमने एक नया हरियाणा बनाने का संकल्प लिया है, एक ऐसा हरियाणा जहां हर नागरिक को बेहतर जीवन मिले, जहां विकास की गति कभी न थमे और विकास की गति के लिए सबसे पहली जरूरत है अच्छी सड़कें। सड़कें किसी भी राज्य की जीवन रेखा होती हैं। ये न सिर्फ लोगों को जोड़ती हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी गति देती हैं। उन्होंने कहा कि म्हारी सड़क ऐप में जी.आई.एस-आधारित तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे राज्य की सभी सड़कों का डिजिटल मानचित्रण संभव हुआ है। इससे नागरिकों को सड़कों की स्थिति की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना बनेगी विकसित हरियाणा का आधारस्तंभ- श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत 21 सितम्बर को हिसार में %प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना% का शुभारंभ किया था। यह परियोजना आने वाले वर्षों में %विकसित भारत-विकसित हरियाणा% के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। इस परियोजना के तहत चालू वित्त वर्ष में 4,827 करोड़ रुपये की लागत से 9,410 किलोमीटर लंबी 4,227 सड़कों की मरम्मत एवं उत्थान का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि %यदि देश को गति देनी है, तो सड़कों को मजबूती देनी होगी। सड़कें सिर्फ यात्रा का साधन नहीं होतीं, बल्कि यह अर्थव्यवस्था की धमनियां होती हैं।% इसी सोच के तहत, पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत ने सड़क अवसंरचना में अभूतपूर्व क्रांति देखी है। आज, देशभर में डिफेंस कॉरिडोर से लेकर फ्रेट कॉरिडोर तक, भारतमाला से सागरमाला तक, रोडवेज, रेलवेज और एयरवेज कनेक्टिविटी का जाल पूरे देश में मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। साथ ही, पी.एम. गतिशक्ति के माध्यम से आधारभूत परियोजनाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदेश में पिछले 11 वर्षों में 28,651 करोड़ रुपये की लागत से 43,703 किलोमीटर लंबी सड़कों का सुधार किया है। इसके साथ ही, 2,534 करोड़ रुपये की लागत से 2,417 किलोमीटर लंबी नई सड़कों का निर्माण भी किया है। इनके अलावा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रदेश में 1, 077 करोड़ रुपये की लागत से 2,432 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। हरियाणा में 21 नये राष्ट्रीय राजमार्ग स्वीकृत किए हैं। इनमें से 12 राजमार्ग बन चुके हैं।

प्रदेश में पिछले 11 वर्षों में 28,582 करोड़ रुपये की लागत से 1,719 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है। जबकि, 2014 से पहले की सरकार के 10 साल के शासनकाल में 1,713 करोड़ रुपये की लागत से 451 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए। इतना ही नहीं, यातायात को सुगम बनाने के लिए 27 टोल टैक्स बैरियर हटाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक टेक्नोलॉजी से जुड़े, उनकी भागीदारी इस ऐप को सफल बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगी। हर स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी में इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार %हरियाणा ए.आई. मिशन% के तहत ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दे रही है। इस मिशन के तहत गुरुग्राम और पंचकूला में ए.आई. हब स्थापित किए जाएंगे, जहां 50 हजार से अधिक युवाओं को उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यूआईडीएआई ने 7-15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आधार बायोमेट्रिक अपडेट शुल्क माफ किया, जिससे लगभग 6 करोड़ बच्चों को लाभ होगा

दिल्ली । जनहित में उठाए गए एक बड़े कदम के तहत, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू-1) के सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इस कदम से करीब 6 करोड़ बच्चों को लाभ मिलने की उम्मीद है। उक्त आयु वर्ग के लिए एमबीयू शुल्क में छूट 1 अक्टूबर 2025 से लागू हो चुकी है और यह सुविधा एक वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगी। पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे का, आधार के लिए नामांकन उसकी तस्वीर, नाम, जन्मतिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र प्रदान करके किया जाता है। पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के आधार नामांकन के लिए उनके उंगलियों के निशान और आँखों की पुतलियों के बायोमेट्रिक्स नहीं लिए जाते, क्योंकि वे उस आयु तक परिपक्व नहीं होते। इसलिए, मौजूदा नियमों के अनुसार, बच्चे के पाँच वर्ष की आयु पूरी करने पर उसके आधार में उंगलियों के निशान, आँखों की पुतलियों और तस्वीर को अनिवार्य रूप से अपडेट करना ज़रूरी है। इसे पहला अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) कहा जाता है। इसी तरह, 15 वर्ष की आयु होने पर बच्चे को एक बार फिर बायोमेट्रिक्स अपडेट कराना ज़रूरी होता है, जिसे दूसरा एमबीयू कहा जाता है। इस प्रकार, पहला और दूसरा एमबीयू, यदि क्रमशः 5-7 वर्ष और 15-17 वर्ष की आयु के बीच कराया जाता है, तो यह निःशुल्क होता है। इसके बाद, प्रति एमबीयू 125 रुपये का निर्धारित शुल्क लिया जाता है। इस फैसले से अब 5-17 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए एमबीयू प्रभावी रूप से निःशुल्क है। अपडेट किए गए बायोमेट्रिक के साथ आधार, जीवन में कई प्रक्रियाओं को आसान बनाता है और स्कूल में प्रवेश, प्रवेश परीक्षाओं के लिए पंजीकरण, छात्रवृत्ति का लाभ उठाने, डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) योजनाओं आदि जैसी सेवाओं, जहाँ भी यह लागू होता है, उनका लाभ उठाने में आधार का उपयोग सरल बनाता है। माता-पिता/अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बच्चों/आश्रितों के बायोमेट्रिक्स को प्राथमिकता के आधार पर आधार में अपडेट करें।

वोकल फॉर लोकल का लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना है: शालू अरोड़ा

● जब हम भारतीय निर्मित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हमारे देश का पैसा देश में ही रहता है

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। जिला उपाध्यक्ष बीजेपी भिवानी हरियाणा जिला नॉमिनेट पार्षद शालू अरोड़ा के नेतृत्व में आज भारतीय निर्मित वस्तुओं के उपयोग के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने बढ़- चढ़कर भाग लिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष शालू अरोड़ा ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वोकल फॉर लोकल का आह्वान, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील करता है। यह एक ऐसा कदम है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जब हम भारतीय निर्मित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हमारे देश का पैसा देश में ही रहता है, जो देश के विकास में योगदान करता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की खरीद से स्थानीय व्यवसायों और उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। इससे देश में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। आयातित वस्तुओं पर लगने वाला कर और राजस्व देश के बाहर चला जाता है, जबकि स्वदेशी वस्तुओं की खरीद से यह पैसा देश के भीतर ही रहता है, जो सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। शालू अरोड़ा ने कहा कि छोटे-छोटे स्थानीय कारीगरों और निर्माताओं को स्वदेशी उत्पादों की खरीद से सीधा लाभ मिलता है, जिससे उनकी आजीविका सुरक्षित होती है। वोकल फॉर लोकल का लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि हमें अपनी जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि दिवाली जैसे त्योहारों पर जब खरीदारी का चलन बढ़ जाता है, तब स्वदेशी को अपनाना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एक सांस्कृतिक और आर्थिक पहल है, जो देश और देशवासियों के हित में है। शालू अरोड़ा का यह संदेश जय हिंद, जय भारत के नारे के साथ देश प्रेम और आर्थिक जिम्मेदारी की भावना को उजागर करता है।

सिविल सर्जन डॉ रघुबीर शांडिल्य ने किया विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण

कई अधिकारी और कर्मचारी मिले अनुपस्थित

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। सिविल सर्जन डॉ रघुबीर शांडिल्य ने शनिवार को उपमंडल अस्पताल तोशाम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बुसान, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संडवा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढाणी माहू तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिनोद आदि संस्थाओं का निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान विभिन्न संस्थानों में कई चिकित्सा अधिकारीऔर कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सिविल सर्जन डॉ शांडिल्य ने बताया कि अनुपस्थित मिले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उनका अनुपस्थित दिन का वेतन आगामी आदेशों तक क्लेम नहीं किया जाएगा तथा अनुपस्थित के खिलाफ विभागीय कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी/कर्मचारी उच्च अधिकारियों की बगैर अनुमति के छुट्टी पर या अनुपस्थित ना रहे।

उन्होंने बताया कि उपमंडल अस्पताल तोशाम में सुबह 8=30 पर 12 चिकित्सा अधिकारी, दो सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, 12 नर्सिंग ऑफिसर, तीन लैब टेक्नीशियन, एक ऑपरेशन थिएटर अटेंडेंट के अतिरिक्त विभिन्न श्रेणी के 23 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। एचकेआरएनएल कर्मचारियों में कुल 59 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 39 अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए ! अधिकारीगण के पास अनुपस्थित बारे या छुट्टी बारे कोई सूचना नहीं थी। वीरेंद्र कुमार ईएमटी तथा राजेंद्र सिंह रोहिल्ला रेडियोराफर की हाजिरी रजिस्टर में एडवांस में हाजिरी लगी हुई पाई गई जो कि गंभीर लापरवाही है। उपमंडल अस्पताल तोशाम की सीनियर नर्सिंग ऑफिसर द्वारा नर्सिंग ऑफिसर तथा कर्मचारियों का ड्यूटी रोस्टर संस्था में बनाकर मोबाइल में था, लेकिन किसी जगह पर ड्यूटी रोस्टर डिस्प्ले नहीं पाया गया। यह गंभीर लापरवाही है। उपमंडल अस्पताल तोशाम के आपातकालीन विभाग में कर्मचारी, नर्सिंग ऑफिसर तथा डॉक्टर आदि मे से कोई भी ड्यूटी पर नहीं पाए गए ।

इसके अतिरिक्त वहां की मॉनिटरिंग और सफाई व्यवस्था अनसेटिस्फेक्ट्री थी । एचकेआरएनएल के उपस्थित काफी कर्मचारियों ने सरकार द्वारा निर्धारित यूनिफॉर्म नहीं पहन रखी थी जोकि सरकार के आदेशों की उल्लंघना है ।

उन्होंने बताया कि पीएचसी बुसान में पीएचसी में डॉक्टर साहिल ड्यूटी पर उपस्थित पाए गए, पर कोई स्टॉक रजिस्टर ओपीडी रजिस्टर नहीं था। जगह-जगह पर सरकार द्वारा जारी किए गए आम जनता को जागरूक करने हेतु बोर्ड आदि जगह-जगह रखे हुए पाए गए तथा सफाई व्यवस्था भी दुरुस्त नहीं थी ।

इसी प्रकार से सुबह 9.45 पर पी एच सी बुसान का औचक निरीक्षण करने पर एमपीएचएस विजय कुमार, राजकला एमपीएचडब्ल्यू फीमेल रेगुलर तथा शर्मिला एमपीएचडब्ल्यू एनएचएम अनुपस्थित पाई गई, जिनकी अनुपस्थित बारे या छुट्टी बारे कोई भी सूचना चिकित्सा अधिकारी के पास उपलब्ध नहीं थी, जिनका वेतन रोकने के लिए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी तोशाम को आदेश दिए गए हैं ।

सुश्री अपर्णा भारद्वाज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला द्वारा नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण

पंचकूला । हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में, सुश्री अपर्णा भारद्वाज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पंचकूला ने आज सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला स्थित नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, सुश्री भारद्वाज ने मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का आकलन करने और केंद्र के सामान्य रखरखाव की समीक्षा करने के लिए परिसर का विस्तृत दौरा किया। उन्होंने पाया कि परिसर में स्थापित दो लिफ्टों में से एक लिफ्ट काम नहीं कर रही थी, जिससे मरीजों और कर्मचारियों को असुविधा हो रही थी। यह भी ध्यान दिया गया कि नशा मुक्ति केंद्र चौथी मंजिल पर स्थित है, जिससे मरीजों और कर्मचारियों के लिए कार्यात्मक लिफ्टों की उपलब्धता आवश्यक हो जाती है, जिनमें से कई को गतिशीलता संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने निर्देश दिया कि लिफ्टों की समय पर मरम्मत और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया जाए।

सुश्री भारद्वाज ने केंद्र में उपचाराधीन कई रोगियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। उन्होंने उनके रहने की स्थिति, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, दैनिक दिनचर्या और उनके प्रवास के दौरान आने वाली किसी भी कठिनाई के बारे में पूछताछ की। उन्होंने रोगियों को आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं का उचित समाधान किया जाएगा और इस बात पर ज़ोर दिया कि उनके दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि देखभाल और सहायता के उचित मानक बनाए रखे जा रहे हैं।

सुश्री भारद्वाज ने कर्मचारियों की उपस्थिति की पुष्टि के लिए केंद्र के उपस्थिति रजिस्टर की जाँच की और वहाँ रखे गए अन्य रजिस्टरों की भी जाँच की, जिनमें रोगी रिकॉर्ड और दैनिक गतिविधियों से संबंधित रजिस्टर भी शामिल थे। फरार रोगियों से संबंधित रिकॉर्ड पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने ऐसे किसी भी रोगी का विवरण और ऐसे मामलों में अधिकारियों द्वारा अपनाए गए उपायों के बारे में पूछताछ की।

हम स्वदेशी वस्तुएं अपनाकर ही बन सकते हैं आत्मनिर्भर: धर्मबीर सिंह

दीपावली पर स्वदेशी वस्तुएं खरीदने और स्वदेशी सामान का ही उपयोग करने का लें प्रण : धर्मबीर सिंह

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा है कि देश को पूर्ण रूप से विकसित बनाने के लिए हमें अपने पैरों पर खड़ा होना होगा। यह तभी संभव है जब हम स्वदेशी वस्तुओं को अपनाएंगे। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि हमारा देश किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। देश का युवा प्रतिभावान है। कोरोना जैसी महामारी में हमारे वैज्ञानिकों ने इस बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीन बनाई और वही वैक्सीन हमने दूसरे देशों को फ्री में दी जबकि विदेशी वैक्सीन इतनी असरदार नहीं थी। उन्होंने नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे दीपावली पर स्वदेशी वस्तुएं खरीदें और स्वदेशी सामान का ही उपयोग करने का प्रण लें। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह स्थानीय लोक निर्माण विश्रामगृह में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अपनाओ अभियान को लेकर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हम इस तरह सक्षम है कि सुई से लेकर सैन्य हथियार तक बना सकते हैं इसका प्रमाण भी पिछले दिनों हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को दिया जिसमें स्वदेशी हथियारों का ही प्रयोग किया। इसको देखकर बड़े-बड़े विकसित ताकतवर देश भी अचंभित रहे। उन्होंने कहा कि जब कोई वास्तु हमारे देश में बनेगी तो हमारा दूसरे देशों से मुकाबला नहीं रहेगा जबकि बड़े देश हथियारों के सौदे के नाम अपना प्रभाव जमाते हैं।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वदेशी के साथ-साथ खादी को अपनाने का आह्वान किया है। इससे लघु उद्योगों और बुनकरों को काम मिलेगा। इसी प्रकार से हमारे घरों में रोजमर्रा में काम आने वाली वस्तु भी हमारे देश में निर्मित ही खरीदनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेहत के लिए मटके में रखा हुआ पानी सबसे लाभदायक होता है जबकि फ्रिज में रखा हुआ पानी सेहत के लिए नुकसानदायक होता है, चिकित्सक भी फ्रिज का पानी पीने से परहेज बताते हैं। इसी कड़ी में यदि प्रत्येक घर में मटके के पानी का उपयोग हो तो मटका बनाने वालों को भी काम मिलेगा और उसकी आमदनी बढ़ेगी। इसी तरह दीपावली पर घरों को मिट्टी के दीयों से रोशन करें। उन्होंने कहा कि हमारे कारीगरों का दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा है कि बड़े-बड़े मॉल और होटल में हमारे गांव स्तर पर तैयार होने वाली वस्तुओं को शोपीस के रूप में रखा जाता है, जो वहां सभी का अपनी ओर ध्यान आकर्षित करती हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आईटीआई के लिए पीएम-सेतु योजना का किया शुभारंभ

● आईटीआई न केवल औद्योगिक शिक्षा के प्रमुख संस्थान हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत की कार्यशालाएं भी हैं : प्रधानमंत्री ● सरकारी आईटीआई, सेक्टर-28 चंडीगढ़ में आयोजित हुआ वार्षिक दीक्षांत समारोह 2025 ● सरकारी आईटीआई चंडीगढ़ में 487 प्रशिक्षुओं को मिला एनटीसी प्रमाणपत्र

चंडीगढ़ । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने शनिवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में पीएम-सेतु (अपग्रेडेड आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) योजना की शुरुआत की और ?62,000 करोड़ से अधिक की युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री का यह वर्चुअल संबोधन सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ढ्ढञ्जढ्ढ), सेक्टर-28, चंडीगढ़ में भी सीधा प्रसारित किया गया, जहाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह 2025 का आयोजन किया गया। यह पहल सरकार की उस नई परंपरा का हिस्सा है जिसके तहत देशभर के ढ्ढञ्जढ्ढ प्रशिक्षुओं के लिए बड़े स्तर पर संयुक्त दीक्षांत समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का समारोह भारत द्वारा कौशल विकास को दी जाने वाली प्राथमिकता का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में दो प्रमुख पहलों की घोषणा की – ?60,000 करोड़ की पीएम सेतु योजना जिसके तहत आईटीआई उद्योगों से और अधिक मज़बूती से जुड़ेगा, तथा देशभर के नवोदय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल स्कूलों में 1,200 कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन।

प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्तमान में आईटीआई लगभग 170 ट्रेडों में प्रशिक्षण दे रहे हैं और बीते 11 वर्षों में 1.5 करोड़ से अधिक युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस वर्ष 10 लाख से अधिक छात्रों ने अखिल भारतीय ट्रेड टेस्ट में भाग लिया। उन्होंने कहा कि ये कौशल स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराए जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि आईटीआई आत्मनिर्भर भारत की कार्यशालाएँ हैं और सरकार उनकी संख्या बढ़ाने और उन्हें आधुनिक बनाने पर केंद्रित है। 2014 तक केवल 10,000 आईटीआई थे, जबकि पिछले दशक में 5,000 नए स्थापित हुए हैं। पीएम सेतु योजना से 1,000 से अधिक आईटीआई को आधुनिक मशीनरी, विशेषज्ञों और उद्योग मांग आधारित पाठ्यक्रम के साथ उन्नत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे कौशल बढ़ता है, राष्ट आत्मनिर्भर बनता है, निर्यात और रोज़गार बढ़ते हैं। 2014 से पहले भारत ÷नाज़ुक पाँच÷ में था, आज विनिर्माण और रोज़गार में वृद्धि के साथ भारत शीर्ष तीन वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और रक्षा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्रा योजना ने युवाओं को उद्यम शुरू करने में मदद की और ?1 लाख करोड़ की प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोज़गार योजना से लगभग 3.5 करोड़ युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार मिलेगा।

देश के हर युवा के लिए यह समय अवसरों से भरा है, इस पर ज़ोर देते हुए प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि कई चीज़ों के विकल्प मौजूद हो सकते हैं, लेकिन कौशल, नवाचार और कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। यही गुण भारत के युवाओं की ताकत हैं और विकसित भारत की नींव बनेंगे।

आईटीआई सेक्टर-28, चंडीगढ़ का वार्षिक दीक्षांत समारोह 2025 – समारोह में श्री रोहित ग्रोवर, प्रबंध निदेशक, जेआरईडब्ल्यू इंजीनियरिंग लिमिटेड, मोहाली मुख्य अतिथि तथा श्री परमजीत सिंह, निदेशक, क्षेत्रीय उद्यमिता विकास केंद्र, सेक्टर-35, चंडीगढ़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्री रोहित ग्रोवर ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) कभी भी कुशल श्रमिकों का स्थान नहीं ले सकती, क्योंकि मशीनें बनाने और उन्हें संचालित करने का कौशल केवल मनुष्य के पास है। उन्होंने ढ्ढञ्जढ्ढ संस्थानों की महत्ता पर बल देते हुए विद्यार्थियों से सतत् सीखने और कौशल निखारने का आग्रह किया।संस्थान के प्राचार्य श्री अरुण गुप्ता ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ढ्ढञ्जढ्ढ संस्थान प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत ञ्च2047' विज़न को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से हर अवसर का लाभ उठाने और अपने कौशल को और बेहतर बनाने का आह्वान किया। समारोह के दौरान 487 प्रशिक्षुओं को राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र (हृञ्जष्ट) प्रदान किए गए। विभिन्न ट्रेडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। प्राचार्य द्वारा संस्थान की वार्षिक उपलब्धियों एवं प्रशिक्षण परिणामों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर श्रीमती अंजू वर्मा, राज्य परीक्षा नियंत्रक, तकनीकी शिक्षा निदेशालय के अधिकारी, प्राचार्य श्री अरुण कुमार, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ तथा बड़ी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित थे।